दैनिक पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	09:42 तक
नक्षत्र	विशाखा	13:10 तक
पक्ष	शुक्ल पक्ष	
वार	मंगलवार	
योग	वरीघा	06:10 तक
सूर्योदय	05:33	
सूर्यास्त	19:00	
राहुकाल	07:14 - 08:55	
मास	वैशाख	
शुभ मुहूर्त	अभिजीत	11:50 - 12:44

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 117 • पृष्ठ 8 • मंगलवार 17 मई 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

पूजा और CA की रिमांड 4 दिन के लिए बढ़ी:

- **ED के स्पेशल कोर्ट ने दी हिदायत- शालीनता से करें पूछताछ**

रांची। ED की स्पेशल कोर्ट ने निलंबित क्लर्क पूजा सिंघल और सुमन सिंह की रिमांड अवधि चार दिनों के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले सोमवार को सिंघल और सुमन कुमार सिंह को प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय से लाकर के एऊ की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से नौ दिनों की रिमांड की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने चार दिनों का रिमांड की इजाजत दी।

कोर्ट में एऊके अधिवक्ता बीएमपी सिंह ने बताया कि सिंघल और सिंह की रिमांड अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है। एऊकी तरफ से सात मई को चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन को गिरफ्तार कर आठ मई से लगातार न्यायिक हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं सिंघल भी चार दिनों से ईडी की न्यायिक हिरासत में हैं।

आ गया मानसून:बंगाल की खाड़ी पहुंचा मानसून, 27 मई तक केरल पहुंचने के आसार

नई दिल्ली। देशभर में जारी गर्मी के सितम के बीच मानसून ने बंगाल की खाड़ी में दस्तक दी है। अंडमान निकोबार और पश्चिम बंगाल में इसका असर देखने को मिला है। मौसम विभाग ने जल्द ही मानसून के केरल पहुंचने की उम्मीद जताई है। मौसम विभाग ने इसी सप्ताह उत्तराखंड, मेघालय, असम और केरल में बा–रश का अनुमान जताया है।

इधर, राजधानी दिल्ली में रविवार को चिलचिलाती गर्मी और भीषण लू के बीच कई इलाकों का तापमान 49.2 रिकॉर्ड दर्ज हुआ। देश के कि- सी भी शहर के मुकाबले, इस साल यह सबसे ज्यादा तापमान है। इधर, UP के बांदा में भी रविवार को तापमान 49 डिग्री दर्ज किया गया।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

52,973.84+180.22 (0.34%)

निफ्टी

15,842.30+60.15 (0.38%)

कोटा, अनुशासन, यात्रा पर हुई बात, पर नेतृत्व के मुद्दे पर खाली हाथ; कैसे आगे बढ़ेगी कांग्रेस

नई दिल्ली।

तीन दिनों के शिविर के समापन में जो सामने आया, वह था अल्पसंख्यकों, दलितों एवं ओबीसी वर्गों के लिए कोटा और 2 अक्टूबर से यात्रा का ऐलान। लेकिन नेतृत्व के सवाल पर कोई बात ही नहीं की गई।

उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने जब चिंतन शिविर का ऐलान किया था तो कुछ उम्मीदें जगी थीं कि अब पार्टी बदलाव की ओर बढ़ेगी। उदयपुर में 3 दिन के चिंतन शिविर को लेकर कांग्रेसी भी बहुत उम्मीद से भरे थे। सोनिया गांधी ने उद्घाटन भाषण में जब कहा कि आप यहां कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र हैं तो माना गया कि मंथन में खुलकर चर्चा होगी। लेकिन तीन दिनों के शिविर के समापन में जो सामने आया, वह था अल्पसंख्यकों, दलितों एवं ओबीसी वर्गों के लिए कोटा और 2 अक्टूबर से यात्रा का ऐलान। लेकिन सबसे अहम बात जिस नेतृत्व को लेकर अकसर जी-23 के नेता भी सवाल

उठाते रहे हैं, उस पर कोई बात नहीं की गई।

कांग्रेस के संगठन में कमजोर वर्गों के नेताओं को कोटा देने पर बात हुई, सत्ता में आने पर किसानों के लिए एमएसपी गारंटी का भी प्रस्ताव आया और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से जमीन पर उतरने का भी आ''ान किया गया। लेकिन तीन अहम सवालों की चिंता इस चिंतन शिविर में नहीं की गई। ये सवाल थे- चुनाव कैसे जीतेंगे, अगले कुछ साल कांग्रेस को कौन लीड करेगा और कैसे भाजपा के हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का मुकाबला कांग्रेस करेगी? दरअसल कांग्रेस के सामने जो चुनौतियां हैं, वे इन तीनों का ही मिला-जुला रूप हैं। ऐसे में इन सवालों का हल तलाशे बिना कांग्रेस का उदयपुर के चिंतन शिविर से उदय होना मुश्किल लगता है।

कांग्रेस के पूरे चिंतन शिविर में भारी-भरकम शब्दों में बात की गई। विचारधारा की लड़ाई पर बात हुई और जनता से कट जाने की बात को भी स्वीकार किया गया। खुद राहुल गांधी ने कहा कि हमें पद से ज्यादा चर्चा अपने काम की करनी होगी। लेकिन यह काम कौन करेगा और किसे क्या जिम्मा होना चाहिए, इस पर कोई बात नहीं हुई। एक तरफ कांग्रेस लीडरशिप यह दावा करती दिखी कि उसने असंतुष्टों की भी सुनवाई की है, लेकिन उनके सुझावों पर अहम नहीं होता दिखा। जी-23 की मांग थी कि कांग्रेस संसदीय बोर्ड का गठन किया जाए, इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया।

इसके अलावा कांग्रेस वर्किंग कमेटी में जिन सदस्यों को जगह मिली है, उनमें कई चर्चित नेता शामिल नहीं हैं। खासतौर पर सचिन पायलट, कमलनाथ, डीके शिवकुमार, भूपेंदर सिंह हुड्डा, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत और पृथ्वीराज चव्हाण इनमें शामिल हैं। इन सभी नेताओं की अपने-अपने राज्यों में जमीन पर पक- ड़ मानी जाती है। लेकिन इनकी बजाय पैराशूट नेताओं को वर्किंग कमेटी में जगह मिली हुई है। ऐसे में वर्किंग कमेटी के ऊपर माने जाने वाले संसदीय बोर्ड के गठन की मांग गलत नहीं थी, लेकिन उस पर आगे न बढ़ते हुए लीडरशिप ने वर्किंग कमेटी की लीडरशिप में ही एक पैनल के गठन का फैसला लिया है।

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

तो सोरेन नहीं रहेंगे झारखंड के CM!

चुनाव आयोग ने सदस्यता खत्म की तो नहीं बचेगी कुर्सी; नए चेहरे पर मंथन शुरू

पटना।

IAS पूजा सिंघल की काली कमाई और खदान पट्टे की आंच अब धीरे-धीरे झारखंड सरकार पर आने लगी है। मई की बढ़ती तपिश के साथ झारखंड की सियासत भी अंदरखाने उबल रही है। 20 मई के बाद कभी भी चुनाव आयोग का फैसला उट हेमंत सोरेन की सदस्यता पर आ सकता है, तो 17 मई को शेल कंपनियों में निवेश के मामले पर हाईकोर्ट अपना फैसला सुना सकता है। अगर फैसला पक्ष में आया तो सब ठीक, लेकिन दोनों फैसले विपक्ष में गए तो सरकार पर संकट खड़ा हो सकता है। इस बीच खबर है कि सोरेन अपने विकल्प पर भी चर्चा कर रहे हैं। उसमें दो नाम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना और पुराने नेता चंपई सोरेन का सामने आ रहा है। झारखंड के वरिष्ठ पत्रकार चंदन मिश्रा कहते हैं कि पहले भ्रष्टाचार की जो बातें टुकड़ों में सामने आ रही थीं अब वे समग्र रूप लेकर उट हेमंत सोरेन की मुसीबत बढ़ा रही हैं। चुनाव आयोग या हाईकोर्ट में उट पर लगे आरोप प्रमाणित हो जाते हैं तब उट की विधायकी जानी तय है। वो कहते हैं कि मौजूदा स्थिति में एक-दो विधायक के जाने पर सरकार तो बनी रहेगी। हालांकि, सरकार के सामने सबसे बड़ा संकट चेहरे का होगा। सोरेन परिवार में लगभग सभी सदस्यों पर गंभीर आरोप हैं और इसकी सुनवाई चल रही है। परिवार से इतर किसी और पर यकीन करना उट हेमंत सोरेन के लिए मुश्किल होगा। इसके साथ ही पार्टी को एकजुट रखना भी एक बड़ी चुनौती होगी।

चंदन मिश्रा कहते हैं कि कांग्रेस कभी नहीं चाहेगी कि वो सरकार से बाहर हो। वो भले कुछ नए शर्त जोड़ दे, लेकिन सत्ता के सुख को कभी गंवाना नहीं चाहेगी।

असम में बाढ़: 7 जिलों में लगभग 57,000 लोग प्रभावित

हवा में लटकी पटरिंया; ट्रेन में फंसे यात्रियों को एयरलिफ्ट किया

गुवाहाटी।

असम में बाढ़ से हालात खराब हो गए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बाढ़ से राज्य के सात जिलों में लगभग 57,000 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 15 राजस्व मंडलों के लगभग 222 गांव प्रभावित हुए हैं। शनिवार को दीमा हसाओ जिले के हाफलोंग इलाके में लैंडस्लाइड में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई।

इस प्राकृतिक आपदा से इंसानों के अलावा 1,434 जानवर भी प्रभावित हुए हैं और अब तक कुल 202 घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। वहीं, लगभग 10,321.44 हेक्टेयर खेती की भूमि बाढ़ के पानी में डूब गई है।

असम के कछार जिले में स्थिति गंभीर

असम के कछार जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

ASDAMA के अनुसार, जिले के 1,685 बाढ़ प्रभावित लोगों ने जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में शरण ली है। वहीं, एक बच्चे सहित 3 लोग शनिवार से लापता हैं। सेना, अर्धसैनिक बलों, रऊ्रक्र्के जवान बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत अभियान में जुटे हैं।

दीमा हसाओ जिले में बाढ़ से रेलवे लाइन बही

लगातार बारिश के कारण होजई, लखीमपुर और नगांव जिलों में कई सड़कें, पुल और सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त हो गईं। शनिवार को दीमा हसाओ जिले में बाढ़ से रेलवे लाइन बह गई। कई स्टेशनों की पटरियों पर कीचड़ और पानी भर गया। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से पटरियों के नीचे की जमीन धंस गई और पटरियां हवा में झूलने लगीं।

यात्रियों को एयरलिफ्ट किया गया

ठऋ्रेलवे ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि लुमडिंग डिवीजन के लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड में कई स्थानों पर लगातार बारिश, लैंडस्लाइड और जलभराव के चलते ट्रेन सेवाओं में बदलाव किया गया। हालांकि, दो ट्रेनें फंस गईं। इनमें लगभग 1,400 यात्री थे। इसके बाद डिटोकचेरा रेलवे रूट पर फंसे लगभग 1,245 रेल यात्रियों को एयरलिफ्ट कर बदरपुर और सिलचर लाया गया है और 119 यात्रियों को भारतीय वायु सेना ने सिलचर पहुंचाया है।

नेपाल पहुंचे पीएम मोदी, कहा-

नेपाल बिना हमारे राम अधूरे, बुद्ध से बताया अपना खास रिश्ता

लुंबिनी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी में कहा कि नेपाल के बिना तो हमारे राम भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि आज यदि भारत में राम मंदिर बन रहा है तो नेपाल के लोगों को भी खुशी होगी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी में कहा कि नेपाल के बिना तो हमारे राम भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि आज यदि भारत में राम मंदिर बन रहा है तो नेपाल के लोगों को भी खुशी होगी। भारत के लोगों ने हजारों सालों से आस्था के साथ देखा है। यह देश अपनी संस्कृति को बचाकर रखने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी साझा विरासत, साझा संस्कृति और साझा प्रेम है। यही हमारी पूंजी है।

यह जितनी सशक्त होगी, उतना ही हम दुनिया को बुद्ध का संदेश पहुंचा सकते हैं। आज जिस तरह विश्व में हालात बन रहे हैं, उसमें भारत और नेपाल की घनिष्ठता संपूर्ण मानवता के हित का काम करेगी। इसमें भगवान बुद्ध के प्रति हम दोनों ही देशों की आस्था एक सूत्र में जोड़ती है, एक परिवार का सदस्य बनाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बुद्ध बोध भी हैं और शोध भी हैं। वह विचार भी हैं और संस्कार भी हैं। महात्मा बुद्ध इसलिए भी विशेष हैं क्योंकि उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिए बल्कि मानवता को ज्ञान की अनुभूति कराई। निश्चित रूप से उनका जन्म किसी साधारण बालक के रूप में नहीं हुआ था। उन्होंने हमें अहसास कराया कि प्राप्ति से ज्यादा महत्व त्याग का होता है। इसलिए उन्होंने जंगलों में विचरण किया, तप किया और शोध किया। उस आत्मशोध के बाद वह जब ज्ञान के शीर्ष पर पहुंचे तो उन्होंने किसी चमत्कार से लोगों के कल्याण का दावा कभी नहीं किया। उन्होंने हमें वह रास्ता बताया, जिसे उन्होंने खुद जिया था। महात्मा बुद्ध के संदेशों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'बुद्ध ने कहा था कि अपना दीपक खुद बनो। मेरे विचारों को भी सोच-समझकर आत्मसात करो।' उन्होंने कहा कि पूर्णिमा के ही दिन महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी दिन बोध गया में उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ और फिर इसी तिथि को उन्हें निर्वाण प्राप्त हुआ। यह कोई संयोग मात्र नहीं था। यही मानव जीवन की पूर्णता है। पूर्णिमा ही पूर्णता का प्रतीक है। महात्मा बुद्ध भौगोलिक सीमाओं से ऊपर उठकर सबके हैं और सबके लिए हैं। भगवान बुद्ध के साथ मेरा एक संबंध भी है। इसमें एक अद्भुत और सुखद संयोग भी है।

मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ था, वह प्राचीन दौर में बौद्ध शिक्षा का बड़ा केंद्र था। वहां आज भी बड़े पैमाने पर अवशेष निकल रहे हैं। भारत में ऐसे कई शहर हैं, जहां लोग उन्हें उस राज्य की काशी के तौर पर जानते हैं। काशी के समीप सारनाथ से मेरी आत्मीयता से आप भी जानते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें इस विरासत को साथ मिलकर समृद्ध करना है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि नेपाल सरकार लुंबिनी और बुद्ध सर्किट के विकास के लिए सहयोग कर रही है और योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत का संबंध हिमालय जितना ही पुराना और अटल है। अब हमें अपने रिश्तों को उतनी ही ऊंचाई भी देनी है।

गुजरात के चिंतन शिविर में 'AAP' समीकरण पर अमित शाह का जोर, बताई जीत की राह

अहमाबाद।

2017 में भाजपा को तब चुनावी झटका लगा था जब आरक्षण के मुद्दे के पर पाटीदार समुदाय ने आंदोलन किया था। पाटीदार आंदोलन के चलते कांग्रेस राज्य में 2017 के चुनावों में मजबूती से उभरी थी।

गुजरात विधानसभा चुनाव में करीब 6 महीने का वक्त बचा है और भाजपा ने उन पेचों को कसना शुरू कर दिया है, जिनके थोड़ा भी ढीले होने की आशंका है। इसी के तहत पार्टी अअढ समीकरण पर चिंतन कर रही है। इसके तहत आदिवासी समुदाय, आम आदमी पार्टी इफेक्ट और पाटीदार समुदाय को लेकर चर्चा की जा रही है। अमित शाह समेत की मौजदूगी में भाजपा की बैठक में इन तीन पर जोर दिया गया है।गुजरात इकाई का दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' रविवार को अहमदाबाद के बाहरी इलाके में एक गोल्फ रिसॉर्ट में शुरू हुआ।

शिविर में पार्टी नेताओं ने दिसंबर में प्रस्तावित राज्य विधानसभा चुनाव के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल समेत राष्ट्रीय

एवं राज्य स्तर के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा सूत्रों ने कहा कि पार्टी ने 2017 में 5,000 से कम मतों के अंतर से जीती सीटों के अलावा उन सीटों की भी पहचान की है जिनमें कांग्रेस परंपरागत रूप से मजबूत रही है। ऐसी सीटों को जीतने और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करने वाली रणनीतियों पर चर्चा की गई।

भाजपा पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह गुजरात विधानसभा की कुल 182 सीटों में से रिकॉर्ड 150 सीटें जीतने का इरादा रखती है। हालांकि भाजपा ने राज्य में आप की उपस्थिति को सार्वजनिक रूप से कमतर आंका है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि सूरत नगर निगम चुनाव में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने चुनावी लाभ हासिल करने के मुद्दे पर चर्चा की।

चापुड़िया गांव के ग्रामीण डोभा और झरना का पानी पी कर बुझा रहे है प्यास

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मसलिया प्रखंड के कठलिया पंचायत के अन्तर्गत पहाड़ के नीचे और नदी के बगल बसा 25 आदिवासी घरो का एक गांव चापुड़िया है.यह गांव मुलभुत सुविधाओं से वंचित है.आजादी के इतने वर्षो बाद भी यह गांव सड़क से अभी तक नहीं जुड़ पाया है. हांलाकि एक महीने से गांव को सड़क से जोड़ने का काम प्रगति में है.इस गांव में पीने का पानी का घोर समस्या है.इस गांव में मात्र दो चापाकल है,जो करीब 10 वर्ष पूर्व वन विभाग ने लगवाया था. जिसमे किसी में भी सोलर टंकी नहीं लगा हुआ है.कोलम टुडू के घर के सामने का चापाकल करीब 7 वर्षो से खराब है और राजा हेम्ब्रोम के घर के सामने का चापाकल भी कई महीनों से ठीक से काम नहीं कर रही है,बहुत देर चापाकल चलाने से चार-पांच बाल्टी ही पानी निकलता है,फिर एक-दो घंटा में पानी निकलती है.ग्रामीणों का कहना है कि पीने का पानी के लिय हम लोगो को रोजाना संघर्ष करना पड़ता है.दो अन्य प्राकृतिक स्त्रोतो से प्रदूषित पानी का व्यवस्था करते है.रोज एक किलोमीटर के करीब इस चिलचिलाती गर्मी में पहाड़ से सटा एक तालाब पर स्थित झरना से पानी लाने के लिय मजबूर है.झरना पर भी प्रयाप्त पानी नहीं मिल पाता है.बर्तनों में एक छोटी सी बाटी/कटोरी के माध्यम से धीरे धीरे कर पानी भरा जाता है.जहाँ यह झरना स्थित है वहां जाने-आना में भी खतरा बना रहता है.पगडंडी संक्रिण होने के कारण नीचे गिरने का डर भी हर हमेशा बना रहता है.दूसरा पानी का स्त्रोत गांव से करीब एक किलोमीटर दूर नदी किनारे स्थित डोभा को ईटा-पत्थर से बांध कर कुआं का रूप दिया गया है,वहां से पीने का पानी का व्यवस्था करते है.ग्रामीणों का आगे कहना है कि दोनों स्त्रोतों का पानी प्रदूषित है लेकिन मजबूरन इस पानी का व्यहार करना पड़ता है.शादी या किसी अन्य कार्यक्रम के समय पीने का पानी का और अधिक दिक्कत हो जाती है,उस समय नदी का पानी व्यवहार करते है.ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जब मेहमान घर आते है और घर वाले पानी लाने के लिय झरना में जाते है तो मेहमानों को यह लगता है कि घर वाले मेहमान दे-खकर दूर चले गये है.ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पानी समस्या के समाधान के लिय वर्षो से गुहार लगाते आये है लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है.इसके लिय विधायक,सांसद,पंचायत प्रतिनिधि और प्रखंड विकास पदाधिकारी को भी लिखित आवेदन दिए है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है.ग्रामीणों का यहाँ तक कहना है कि कई नेता मंत्री बन गये लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ.ग्रामीण कह रहे है कि पूर्व से अब तक सभी विधायको को लिखित आवेदन दिए लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ.इस इलाके के पूर्व विधायक स्टीफन मरांडी,हेमंत सोरेन,लुईस मरांडी,बसन्त सोरेन(वर्तमान) और सांसद सुनील सोरेन(वर्तमान) तक गुहार लगाया लेकिन समाधान नहीं हुआ.ग्रामीणों का यह भी कहना है कि अबुवा दिसोम रे अबुवा राज होने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है.ग्रामीण बहुत नाराज है,वे कहते है कि पंचायत चुनाव से लेकर विधान सभा और लोक सभा के चुनाव में वोट देते आये है लेकिन क्या फायदा अगर पीने का पानी का समस्या का समाधान ना हो.ग्रामीणों ने प्रशासन,उपायुक्त और जन प्रतिनिधियों से मांग किया है कि गांव में दो नया चापाकल दिया जाय.इस मौके में कालेशोल हांसदा, प्रशन कुमार हांसदा, हीरामणि हेम्ब्रम,चुड़की मुर्मू, ताला कुड़ी किस्कु, जियसी मुर्मू,जोबामुनि टुडू, पकलु मुर्मू, पेरमिरा किस्कु,लबनी बास्की, मकलु मरांडी, अनिता मुर्मू, बेलमुनि हेम्ब्रम,डुमनी टुडू,बसंती सोरेन,सबरी सोरेन,पर्वती टुडू आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पेंटिंग एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

- डेंगू मुक्त भारत पर चित्रांकन प्रतियोगिता में अनन्या अव्वल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर सिदो कान्हु उच्च विद्यालय परिसर में सोमवार को जिला मलेरिया विभाग के माध्यम से छात्र-छात्राओं को डेंगू मुक्त भारत बनाने और डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक पेंटिंग एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनन्या भारती, द्वितीय पर सबीहा अख्तर एवं तृतीय स्थान पर साहिल अख्तर को चुना गया। प्रतियोगिता का आयोजन मलेरिया विभाग के आरएमसी रोहित कुमार और एमपीडब्ल्यू प्रदीप ठाकुर की देखरेख में आयोजित किया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं को डेंगू से होने वाले खतरनाक बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। मौके पर विद्यालय प्रबंधक रोदोशी मुखर्जी, कला विभागाध्यक्ष सुनील शर्मा, प्राचार्य नरेश चंद्र ठाकुर समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

बाइक पर गिरा पेड़, चालक ने कूदकर बचाई जान

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सोमवार शाम को आंधी ओर बारिश से दुमका रामपुरहाट मुख्य पथ के किनारे लांगोपहाड़ी गांव के समीप एक पेड़ गिर गया। पेड़ जिस समय गिरा उसी समय दुमका से शिकारीपाड़ा के जबरदहा के लिए एक बाइक सवार गुजर रहा था। पेड़ को गिरता देख वह बाइक सवार ने कूद कर जान बचा ली, लेकिन बाइक को बचा नहीं सका। पेड़ गिरने से बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों के सहयोग से पेड़ को काट कर हटाया गया। बाइक चालक का नाम पता नहीं चल सका था।

टोका फंसाने के दौरान बिजली तार टूट कर गिरा,बुजुर्ग की मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरैयाहाट के माथाकेशो गांव में एक 68 वर्षीय बुजुर्ग नारायण लायक की बिजली करंट लगने से मौत हो गई।यह हादसा शनिवार को रात्रि में हुई। नारायण लायक घर के पास ही पोल में बिजली का तार (टोका) फंसा रहा था कि एक बिजली तार उसके शरीर पर गिर गया। बिजली करंट से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। परिजन व आसपास के ग्रामीण आनन- फानन में उन्हें इलाज के लिए सीधे देवघर अस्पताल ले गये। देवघर अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। थाना प्रभारी अनुज प्रसाद यादव ने बताया कि बिजली करंट लगने की सूचना मिली थी।करंट से जख्मी होने के बाद सरैयाहाट नहीं लाकर उसके परिजन देवघर ले गये थे। देवघर से फर्द बयान आने पर मामला दर्ज किया जाएगा। इस घटना से वृद्ध के घर में मातमी माहौल पसरा हुआ है।

जामा सीओ सड़क दुर्घटना में घायल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले के जामा अंचलाधिकारी आशीष मंडल सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। प्रखंड मुख्यालय जामा से लौटने के क्रम में आंख बंद हो जाने से कार पेड़ से टकरा गया। बताया जाता है कि कमार दुधानी के समीप चांदनी चौक के पास दुर्घटना हुआ। फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाजरत है। हालांकि चिकित्सकों ने खतरे से बाहर बताया है।

देर रात बस और ट्रक की टक्कर में घायल तीन लोग

बस की गति तेज होती तो चली जाती कई जान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रिया रमन के समीप रविवार की देर रात बस और ट्रक की टक्कर में घायल तीन लोगों का अभी भी मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। इलाजरत पानमुनि देवी, बच्ची सिमंती मरांडी गोडडा के पोड़ैयाहाट के सकरी और रूपन ठाकुर रामगढ़ के सिलठा का रहने वाला है। पुलिस ने महिला के बयान पर ट्रक के चालक पर केस किया है।

महिला पानमुनि ने बताया कि वह गांव की बच्ची के साथ ओम बस से कोलकाता जा रही थी। होटल के समीप चालक ने करीब बस रोक दी थी। तभी सामने से एक ट्रक आया और सीधी ठोकर मार दी। हादसे में वह और बच्ची के साथ बस की अगली सीट में फंस गई। करीब आधा घंटा के बाद गैस कटर की मदद से सीट काटकर बाहर निकाला गया। वहीं रूपन का कहना था कि भगवान का शुक्र है कि बस रूकने वाली थी। अगर बस चलती होती तो घायल की वजह लोगों की जान चली गई होती। तीनों को रात में ही मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर, सोमवार की सुबह नगर थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची और सभी घायलों का नाम पता दर्ज किया। हर किसी ने हादसे के लिए ट्रक के चालक को जिम्मेवार बताया। यहां बता दें कि ट्रक का पहिया फट जाने के कारण चालक गति पर नियंत्रण नहीं रख सका और सामने रूकने जा रही बस में टक्कर मार दी। पुलिस ने बयान को कार्रवाई के लिए मुफस्सिल थाना भेज दिया है।

वृद्ध व दिव्यांग मतदाताओं की मदद करेंगी सेविका-एएनएम-बीडीओ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में दुमका सदर में 24 मई को होने वाले मतदान को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। सोमवार को बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा ने सभी सेक्टर पदाधिकारी व मतदान कर्मियों के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिया।

बीडीओ ने कहा कि हर मतदान केंद्र में दिव्यांग व वृद्धों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। दोनों की वजह से मतदान कर्मी को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो, इसके लिए हर बूथ में एक आंगनबाड़ी सेविका और एक महिला स्वास्थ्य कर्मी रहेगी। दोनों मतदाताओं को मतदान में सहयोग करेंगी। उन्होंने सेक्टर पदाधिकारियों से रूट चार्ट और हर बूथ में मूलभूत व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पंचायत सचिव को निर्देश दिया कि मतदान कर्मियों के ठहरने, पानी और भोजन की व्यवस्था की जाए। किसी भी मतदान कर्मी को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा कि मतदान को लेकर प्रखंड में एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यहां पर काम करने वाले कर्मी से कहा कि वे रोज सारी जानकारी पंचायत सचिव को दें। बैठक में सभी प्रखंड पदाधिकारी, कर्मी व रोजगार सेवक आदि मौजूद थे।

पूर्णाहुति के साथ रामचरित्र मानस नवाह परायण महायज्ञ का समापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। नोनीहाट यज्ञ मैदान में रामचरित्र मानस नवाह परायण महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। अंतिम दिन यज्ञ समिति के अध्यक्ष देवेंद्र कुवंर पहुंचे और श्रद्धालु एवं आचार्यों के प्रति आभार प्रकट किया। अयोध्या से पधारे परम पूज्य संत अशोक दास जी ने अपने प्रवचन के माध्यम से पहुंचे श्रद्धालुओं को बताया कि राम जी कण-कण में बसे हैं। बस भक्तों को उन्हें पाने के लिए उचित मार्गदर्शन की जरूरत है। 9 दिन चले यज्ञ में राम दरबार के सामने सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शाम में बांग्ला कीर्तन को सुनने के लिए पूरा पंडाल खचाखच भरा हुआ था। यज्ञ को लेकर मेला मैदान में भी बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला आदि मनोरंजन के साधन लगाए गए। यज्ञ को सफल बनाने में पंकज कुमार, राधे सिंह, सुजीत कुमार, पप्पू, दशरथ, रमेश साह का सराहनीय योगदान रहा।

टक्कर मारने के बाद आटो से गिरी वृद्धा को ट्रक ने रौंदा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। नोनीहाट-दुमका मुख्य पथ पर तीन किलोमीटर दूर सहेजना गांव के समीप सोमवार को टक्कर मारने के बाद आटो से गिरी 60 वर्षीय महिला को ट्रक ने रौंद डाला। मौके पर सारंगपानी निवासी महिला वीणा देवी की मौत हो गई। हादसे से नाराज ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। समाचार लिखे जाने तक शाम तीन बजे से मार्ग जाम है। महिला की दर्दनाक मौत हो गई।

दोपहर तीन बजे महिला आटो से नोनीहाट बाजार आ रही थी। कुछ दूर ही आटो बढ़ा था कि पीछे से माल लेकर आ रहे ट्रक ने आटो में धक्का मार दिया। धक्के की वजह से महिला आटो से जमीन में गिर गई और मालवाहक ट्रक उसे रौंदते हुए तेज गति से भागने लगा। गांव वालों ने पीछा कर ट्रक को पकड़ लिया, लेकिन चालक भागने में सफल रहा। आटो में सवार एक बच्ची को भी चोट आई। उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया। घटनास्थल रामगढ़ थाना क्षेत्र में होने के कारण थाना प्रभारी रूपेश कुमार मौके पर पहुंचे। हादसे से नाराज लोगों ने मुआवजा की मांग को लेकर मार्ग को जाम कर दिया। उनका कहना है कि पहले आश्रित को उचित मुआवजा दिया और बड़े अधिकारी को मौके पर बुलाया जाए। थाना प्रभारी के समझाने के बाद भी लोग सड़क से हटने के लिए तैयार नहीं हुए। समाचार लिखे जाने तक मार्ग जाम था और शव बीच सड़क में ही पड़ा हुआ था। थाना प्रभारी का कहना है कि स्वजन व ग्रामीणों से बात कर जाम समाप्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

वज्रपात से 56 वर्षीय व्यक्ति की मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानेश्वर इलाके के तालडंगाल पंचायत के काठलिया गांव में वज्रपात से एक 56वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना शनिवार दोपहर बाद हुई थी। मृतक वीरेन मरांडी काठलिया गांव का ही निवासी था। वह दोपहर में स्नान करने के लिए तालाब की ओर जा रहा था। इस दौरान बारिश के साथ वज्रपात हुई और उक्त व्यक्ति उसके चपेट में आ गया। उसकी मौत मौके पर ही हो गई। वीरेन मरांडी के शरीर का दाहिना हिस्सा जल गया था। घटना की सूचना रविवार को रानेश्वर पुलिस को दी गई। रानेश्वर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया। इस घटना से उसके घर में मातमी माहौल पसरा हुआ है। उसके घर में आर्थिक संकट उत्पन्न हो गई है। परिजनों ने प्रखंड प्रशासन से मुआवजे की मांग किया है।

परीक्षकों ने मूल्यांकन का बहिष्कार किया

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। संत टेरेसा बालिका उच्च विद्यालय में बनाए गए इंटर कॉपी मूल्यांकन केंद्र में शिक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर कार्य बहिष्कार किया व नारे लगाए। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षकों को हर दिन 70 कॉपियों का मूल्यांकन करने को कहा गया, लेकिन यह संभव नहीं हो रहा है, जहां तीस कॉपियों का मूल्यांकन होता था, वहीं इस बार 70 कॉपियों के मूल्यांकन की जिम्मेदारी दी गई। शिक्षकों ने कहा कि मूल्यांकन में काफी त्रुटि भी हो रही है। शिक्षकों ने बताया कि सिर्फ कॉपी की संख्या बढ़ाए जाने को लेकर विरोध किया जा रहा है।

विद्युत चोरी मामले में 6 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अवैध रुप से बिजली चोरी करने के मामले में छह के विरुद्ध शिकारीपाड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उक्त मामले में शिकारीपाड़ा के कनीय अभियंता दीपक कुमार सिंह के बयान पर जबरदहा के धावर जादूपटिया नमाज अली एवं कुशबना के पोरेश हंसदा, गोविंद मुर्मू,रुपाय सोरेन, मिथुन मरांडी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। कनीय अभियंता श्री सिंह ने बताया कार्यपालक अभियंता विद्युत ऊर्जा विभाग के निर्देश पर विद्युत ऊर्जा चोरी रोकने के लिए एक टीम गठित कर छापामारी की गई, जिसमें उक्त लोगों को बगैर कनेक्शन लिए विद्युत ऊर्जा चोरी करते हुए पाया गया। सभी पर 2 हजार का जुर्माना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथी विद्युत उर्जा चोरी में प्रयोग किए गए सामग्री जब्त कर शिकारीपाड़ा पुलिस को सुपुर्द कर दी गई है। थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह ने बताया विद्युत विभाग के कनीय अभियंता द्वारा छह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी गई है।

आनंदमूर्ति की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ननकू कुरुवा स्थित आनंद मार्ग स्कूल में बुध पूर्णिमा के दिन आनंद मार्ग के संस्थापक प्रभात रंजन सरकार उर्फ आनंदमूर्ति की 101 वी जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नारायण सेवा के साथ साथ भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। आनंदमार्ग संस्था से जुड़े मार्गियों शिव प्रसाद शर्मा, ऋषिकेश भंडारी, रत्नेश शर्मा, चंदन सिंह, मिहिर कुमार पाल, धीरज दास, रविंद्र शर्मा, अभिजीत शर्मा व अन्य ने कहा कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए वर्ष 1955 में स्थापित इस संस्था ने विश्व के 180 देशों में अपनी शाखाएँ फैला रखी है। इस संस्था ने अपने उद्देश्यों, अपने सिद्धांतों के बल पर लाखों अनुयायी भी बना रखी है। आनंदमार्गियों का मानना है कि योग व तंत्र साधना के माध्यम से मनुष्य अपनी जड़ता को समाप्त कर मोक्ष का रास्ता तलाश सकता है। पूंजीवादी और समाजवादी विचारधारा से इतर प्रा-उड (प्रगतिशील उपयोग तत्व) पंथ की स्थापना करने वाले प्रभात रंजन सरकार उर्फ आनंदमूर्ति को 12 फरवरी 1973 को सोवियत रूस में गिरफ्तार गिरफ्तार कर लिया। 5 वर्ष 4 महीना 18 दिन तक इन्हें अरेस्ट रखा गया। अगस्त 1978 में स्व सरकार को रिहा किया गया।

सौतेली मां की प्रताड़ना से तंग आकर भागी बालिका

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गोपीकांदर में दो दिन से भटक रही 16 वर्षीया मोनिला किस्कू को सोमवार चाइल्डलाइन की टीम ने बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। बालिका दुमका सदर के हथियापाथर गांव की रहने वाली है।

दरअसल शनिवार को खरौनी बाजार निवासी झामुमो नेत्री पोलीना मुर्मू ने बालिका को भटकते देखा। जब उन्होंने पूछताछ की तो वह खामोश रही। पोलिना से भटका हुआ मानकर अपने घर ले गई। घर पर आश्रय दिया और उससे घर के बारे में बात की। मोनीला ने बताया कि सौतेली मां रोज उसे प्रताड़ित करती थी। प्रताड़ना से तंग आकर घर छोड़ दिया। सोमवार को बालिका के बारे में जानकारी मिलने के बाद चाइल्डलाइन टीम के सदस्य गांव गए और बालिका को बाल कल्याण समिति के सुपुर्द कर दिया। समिति के अध्यक्ष अमरेंद्र यादव व डॉ राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि बालिक का बयान दर्ज किया जाएगा। अगर वह सही पता बताती है तो स्वजन से संपर्क कर बयान लिया जाएगा। जब तक स्वजन सामने नहीं आते हैं, तब तक वह बालिका गृह में रहेगी।

पाकुड़ के अमड़ापाड़ा स्थित सेंट्रल कोल ब्लॉक से ग्रामीणों ने डीबीएल कंपनी के अधिकारियों को काम करने से रोका

- **डीबीएल कंपनी ग्रामीणों के साथ छालावा कर रही है**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़। जिले के अमड़ापाड़ा स्थित पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक में माइनिंग का उद्घाटन होना था लेकिन डीबीएल कंपनी के अधिकारियों को ग्रामीणों ने खदेड़ा। मिली जानकारी के अनुसार पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक में सोमवार सुबह माइनिंग का उद्घाटन पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के आवंटी कंपनी डीबीएल के द्वारा होना था। इस उद्घाटन समारोह में सेंट्रल कोल ब्लॉक के विस्थापित गांव के 9 ग्राम प्रधानों के हाथों उद्घाटन होना था, लेकिन पीएसपीसीएल अपनी मनमानी के कारण ग्राम प्रधानों के बिना सहमति से उद्घाटन करने पहुंचे। पीएसपीसीएल कंपनी के अधिकारियों को खदेड़ा और सभी वाहनों को बाहर निकाला साथी कोयला खदान से पानी की निकासी कार्य को भी ग्रामीणों ने बंद कराया। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी ग्रामीण और ग्राम प्रधानों के सहमति के बिना कंपनी अपनी काम कर रही है, जब तक कंपनी हम लोगों को बकाया राशि का भुगतान नहीं करेगी तब तक कार्य चालू करने नहीं दिया जाएगा। ग्रामीणों और कंपनी के अधिकारीयों के साथ वार्ता किया । वही डीबीएल के अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और कहा कि पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को इसकी सूचना दी जाएगी और आप लोगों की समस्या का समाधान समय रहते कर दिया जाएगा।

ग्रामीणों के विरोध को लेकर डीबीएल के लाइजनिंग अफसर गौतम सामन्तो ने बताया की गाँव के लोगो के डिमांड की जानकारी पंजाब स्टेट पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को दे दी गयी है। श्री सामन्तो ने बताया कि ग्रामीणों को सिविल एवं ट्रांसपोर्टिंग का बकाया जल्द मिले इस बाबत डीबीएल कम्पनी की तरफ से हर प्रयास किया जाएगा। वही अमड़ापाड़ा के स्थानीय ट्रांसपोर्टर, वेंडरों को जब उद्घाटन की सूचना मिली तो ट्रांसपोर्टर और वेंडरों ने प्रखंड मुख्यालय स्थित अमड़ापाड़ा अमीरजोला स्थित डीबीएल कार्यालय पहुँच कर कार्यालय में तालाबंदी कर दिया। ट्रांसपोर्ट और वेंडरों ने कहा कि जब तक बकाया राशी का भुगतान पीएसपीसीएल नहीं करेगी सभी कार्य बंद रहेंगे। ट्रांसपोर्ट और वेंडरों ने डीबीएल कंपनी को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया ।

आदिवासी समाज के साफा होड़ समुदाय के लोगों ने बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर किया गंगा स्नान

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले सभी प्रखंड पाकुड़, हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़िया, महेशपुर, अमड़ापाड़ा में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगया। जिले के अमड़ापाड़ा प्र-खंड मुख्यालय के बांसलोई में नदी पर आदिवासी समाज के साफा होड़ समुदाय के लोगों ने बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर गंगा स्नान किया।

बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर जिले के विभिन्न गांव से आए श्रद्धालुओं ने बांसलोई नदी पर डुबकी लगाई. प्रखंड के कोलकीपाड़ा, बरमसिया, आलूबेड़ा, बलियाडांगा, गोपीकांदर, सिंगारसी एवं महेशपुर, पाकुरिया प्रखंड के विभिन्न गांव के आदिवासी साफा हो ने अपने भगवान की पूजा अर्चना किया. साफा होड़ के लोगों ने बताया कि हम लोग अपने अपने भगवान की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद मांगा।

पंचायत चुनाव की मतगणना को लेकर सभी आरओ, एआरओ को प्रशिक्षण दिया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी- सह-अपर समाहर्ता मंजु रानी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण में मतों की काउंटिंग, प्रमुख मतगणना सामग्री, मतगणना टेबलों की संख्या और उनकी व्यवस्था, मतपेटी को खोले जाने की प्रक्रिया, मतों की गणना के पश्चात मतपत्रों को सुरक्षित रखना, निर्वाचन परिणाम की विवरणी प्रपत्र 19,20 एवं 21 में तैयार किया जाना, निर्वाचन परिणाम की घोषणा, मतों की गणना के पश्चात मतपत्रों की सुरक्षित अभिरक्षा, पदाधिकारी के कर्तव्यों, उनके त्रुटिरहित मतदान संपादन, मतदान के पूर्व, मतदान के दौरान एवं मतदान के पश्चात संपादित की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं तथा संपन्न किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गयी। मास्टर ट्रेनर द्वारा चुनाव व मतगणना के संबंध में जानकारी दी गयी। मौके पर सभी आरओ, एआरओ समेत अन्य उपस्थित थे।

एसएसबी ने बालू समेत दो ट्रैक्टर व ट्रॉली जप्त किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

रक्सौल । नेपाल बॉर्डर के धूपवा टोला के नदी के किनारे से 50 कट्टा एकड़ में बालू का रेत है जो चोरी चुपके से बालू का उठाव करके बालू में मिक्सिग करके बेची जाती है। लोग 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रामगढ़वा पनटोका के बी. ओ. पी.धुपवाटोला द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर 50 कट्टा रेत(बालू) के साथ दो ट्रेक्टर व ट्रॉली जप्त किया गया। जो कि तिलावे नदी के समीप से अवैध रूप से बालू का खनन कर रहे थे। जिनको बाजार टोला गांव के समीप से जब्त किया गया है। रेत लेकर जाने वालो में दो भारतीय ड्राइवर थे।

जिसमें धर्मराज यादव, उम्र-28 वर्ष पिता रामविश्वास राय, गांव सिसवा जिला पूर्वी चंपारण (बिहार) तथा जागीर यादव, 39 वर्ष,पिता गणेश राय, गांव सिसवा, जिला पूर्वी चंपारण(बिहार) शामिल है।

खनन माफिया रात्रि का फायदा उठाकर रेत की तस्करी करने की फिराक में थे।

लेकिन 47वी वाहिनी के बीओपी धूपवाटोला के जवानों द्वारा नाका लगाया गया। जवानों को देखको तस्कर भाग गये और रेत के साथ दो ट्रैक्टर चालको को पकड़ने में कामयाब हुए। जब्त किए गए रेत ट्रैक्टर व चालको को रक्सौल पुलिस की मौजूदगी में अग्रिम कार्यवाही हेतु खनन विभाग मोतिहारी को सुपुर्द किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मुखिया प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क

चुरचु । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। चुरचू प्रखंड के चरही पंचायत मुखिया प्रत्याशी संझली मुर्मू पति महादेव सोरेन ने चरही पंचायत अंतर्गत आकाशगंगा, बाजार टाड चरही बस्ती लाल बंगला घाटो रोड चरही चौक एवं जमुआ बस्ती में घर घर जाकर अपने पक्ष में मतदान करने का अपील किया। जहां मतदाताओं ने संजलि मुर्मु को मत देने का आश्वासन दिया। वही महादेव सोरेन ने बताया कि इस बार संझली मुर्मू की जीत पक्की है।

पंचायत समिति सदस्य ने किया दौरा

दारू /हज़ारीबाग। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। दारू पंचायत समिति सदस्य मो0 शहादत ने दारू प्रखंड के जबरा, दारू डीह, पिपचो गांव में घर घर जाकर जनसंपर्क किया। वही अपने पक्ष में मतदान करने का अपील किया। मतदाताओं ने बताया कि इस बार दारू पंचायत में बड़ा फेरबदल होगा। चुनाव में अच्छे लोगों की चुनाव की जाएगी।

चेपा कला में मंडा पूजा को लेकर ग्रामीणों ने किया बैठक

बड़कागांव / (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। बड़कागांव प्रखंड के चेपाकला गांव के शिव मंदिर के प्रांगण में मंडा मेला को लेकर ग्रामीणों की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता रुद्र नारायण महतो और संचालन दिनेश महतो ने किया। बैठक में ग्रामीणों द्वारा मंडा मेला को लेकर कई चर्चा किया गया। तत्पश्चात बैठक में 14 जून को मेला का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। ज्ञात हो कि चेपाकला का मंडा मेला क्षेत्र में विख्यात है। इस गांव में कुछ अलग ही तरीके से श्रद्धा के साथ मंडा पूजा मनाया जाता है, लेकिन पिछले 2 वर्षों से कोविड 19 के कारण से नहीं हो पा रहा था। इस बार मेले लगाने को लेकर ग्रामीणों मे काफी उत्सुकता देखा गया । वही मौके पर उपस्थित रूद्र नारायण महतो ,दिनेश महतो, देवनंदन महतो, सुनील महतो, मंटू कुमार, शिशुपाल ,सतीश, विनोद कुमार ,बुटन करमाली ,लक्ष्मण महतो, योगेश्वर महतो ,लटन नायक, जूठन प्रजापति ,केदार राणा ,कृष्णा नायक, केशव नाथ मिश्रा, अनीप , पुरी दशरथ रविदास ,काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चितरा में महारुद्र यज्ञ को लेकर तैयारी युद्धस्तर पर

- **जगद्गुरु शंकराचार्य सहित देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचेंगे, कथा वाचक, भजन गायक- गायिका व आकर्षक रासलीला मंडली**

चितरा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। आगामी 1 जून से 9 जून तक एस पी माइंस चितरा कोलियरी स्थित दुखिया बाबा शिव मंदिर प्रांगण स्थित यज्ञ मैदान में श्री श्री 1008 महारूद्र यज्ञ का विराट आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए यज्ञ समिति चितरा के सदस्यों द्वारा तैयारी युद्धस्तर पर की जा रही है। बता दें कि इस महारूद्र यज्ञ के अवसर पर प्रतिदिन यज्ञ मंडप में हवन, पूजन के अलावा रात्रि में मुख्य मंच से देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचने वाले कलाकारों द्वारा भागवत कथा, रामकथा, भजन, कीर्तन आदि की प्रस्तुति दी जाएगी। जिसमें मुख्य रूप से काशी सुमेरू मठ के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती द्वारा अपने आशीष वचनों से भक्तों को सनातन धर्म का पाठ पढ़ायेंगे। इसके अलावा यूपी चित्रकूट धाम से रामकथा वाचक राजीव लोचन जी महाराज संगीतमय रामकथा की प्रस्तुति करेंगे। साथ ही विंध्याचल वाराणसी से कथा वाचिका साध्वी सुश्री ऋचा मिश्रा द्वारा संगीतमय रामकथा की प्रस्तुति करेंगी। वहीं दुसरी ओर उत्तर प्रदेश के वृंदावन से भागवत शर्मा अपनी रासलीला मंडली के साथ भव्य रासलीला की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा यूपी के प्रयागराज से प्रसिद्ध भजन गायिका तृप्ति शाक्या, आकर्षक झांकी के साथ अपने लोकप्रिय हिंदी भजनों की प्रस्तुति करेंगी। साथ ही यूपी के वृंदावन से भजन गायक विनोद शर्मा आकर्षक झांकी के साथ हिंदी भजनों की प्रस्तुति देंगे। वहीं नई दिल्ली से प्रसिद्ध हिंदी भजन गायक प्रमोद अजमेरिया भी अपने लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देने पहुंचेंगे। इसके अलावा झारखंड के टाटानगर से हिंदी भजन गायक सरोज लक्खा एवं ग्रुप, बिहार के समस्तीपुर से शंभू शरण झा, पश्चिम बंगाल से बंगला कीर्तन गायिका सुभद्रा- विशाखा, बंगला बाउल संगीत गायक वरुण दास एवं बीरभूम से से बंगला कीर्तन गायिका मेनका पंडित द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही विशाल मेला का आयोजन भी किया जायेगा। जहां तारामाची, मौत का कुंआ, ब्रेक डांस, रसियन झूला, ड्रेगन ट्रेन सहित चंदन नगर कोलकाता के विद्युत सज्जा आकर्षक के मुख्य केंद्र रहेंगे।

पाकुड़ में भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पाकुड़ नगर के सिद्धार्थनगर में स्थापित भगवान बुद्ध की प्रतिमा का पूजन कर माल्यार्पण किया गया। पाकुड़ नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शहर के लोगों ने माल्यार्पण कर भगवान के चरणों में पुष्प अर्पित किया। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह,जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अमृत पाण्डेय, नगर अध्यक्ष पंकज साह वार्ड पार्षद अशोक प्रसाद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती साहा ने कहा कि वैशाख पूर्णिमा बौद्ध धर्मावलंबियों एवं सनातन धर्म को मानने वाले दोनों के लिए पावन दिन है। भगवान गौतम बुद्ध का जन्म तो है ही आज ही के दिन उन्हें सत्य और ज्ञान प्राप्त हुआ था और उन्होंने अपने नश्वर शरीर का परित्याग किया था। कार्यक्रम में श्यामल गोस्वामी, राणा शुक्ला, रोशन मिश्रा, मु-रारी मंडल, सुशील साहा, मीना देवी, मनोरमा देवी, सोहन मंडल, पार्वती पासवान, अल्पना मुखर्जी, धर्मेंद्र त्रिवेदी, अनिकेत गोस्वामी, पिन्का पटेल, राजा साह, मिथिलेश मंडल, मधुसूदन सिंह, दिनेश सिंह, कन्हैया रजक आदि मौजूद थे।

द्वितीय चरण चुनाव को सम्पन्न कराने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । 19 मई को होने वाले द्वितीय चरण के मतदान को त्रुटिरहित सम्पन्न कराने को लेकर मतदान दल के कर्मियों को सोमवार को केके एम कोलेज, पाकुड़ में दो पालियों में प्रशिक्षण दिया गया। महेशपुर प्रखंड एवं हिरणपुर प्रखंड के मतदान दल को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में चुनाव से संबंधित प्रपत्र को भरने, विधिक एवं गैर विधिक लिफाफा में भरे जाने वाले प्रपत्र तथा मतपेटी के साथ जमा किए जाने वाले खुला लिफाफा के प्रपत्रों की जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधीक्षक दुर्गानंद झा व गोपनीय प्रभारी रणवीर कुमार ने बताया कि खुला पैकेट में पीठासीन पदाधिकारी की डायरी, मतदान प्रारंभ एवं समाप्ति की घोषणा, मतपत्र लेखा तथा पेपर सील लेखा मतपेटी के साथ जमा किया जाता है। वहीं मतपेटी को वोटिंग मोड में लाने, वोट समाप्ति के बाद मतपेटी सील करने की भी जानकारी दी गई। पूरे प्रशिक्षण की मानिटरिंग वरीय प्रशिक्षक ललित कुमार मंडल, बीरेंद्र सिंह कर रहे थे। मौके पर मास्टर ट्रेनर्स दिलीप कुमार राय, विश्वजीत पांडेय, सत्यजीत दास,अतिकुर रहमान, मुसर्रफ हुसैन, प्रमोद कुमार पाण्डेय, प्रेम कुमार सिंह, सतिश राय, सुवास पंडित, सुकुमार सिंह , अजय कुमार सिंह, विजय कुमार भंडारी,बिजय नंदन त्रिवेदी समेत अन्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में एक की मौत

बरकट्ठा। थाना क्षेत्र के बरकट्ठा चौक के समीप सड़क पार करते समय एक ब्यक्ति कंटेनर के चपेट में आने से बुरी तरह घायल हो गया।बताया जाता है कि कंटेनर यूपी 21 सीएन 4088 के चपेट में आने से तुर्कबाद केंदुवा निवासी गोविंद मोदी के दोनों पैर क्षतिग्रस्त हो गए।बेहतर इलाज़ के लिए हज़ारीबाग ले जाते समय बीच रास्ते मे ही मौत हो गयी।बताया जाता है कि शादी के एक कार्यक्रम सूर्यकुण्ड धाम से अपना घर केंदुवा तुर्कबाद लौट रहे थे।इसी बीच रास्ते में घटना घटी।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कंटेनर वाहन को जब्त कर थाना लाया ।वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव एवं कुमकुम दिए बरकट्ठा थाना पहुंचे।जहां घटना की जानकारी ली।

''मिल गए बाबा, हर हर महादेव'': नारा गूंजा काशी में, ज्ञानवापी का सर्वे पूरा

रांची। काशी वासियों में हर्ष व्याप्त है। चहुंओर मिल गए बाबा, हर हर महादेव का नारा गूंज रहा है। भीतरखाने से छनकर यह बात आ रही है कि नंदी बाबा के सामने थोड़ी दूरी पर सर्वे टीम को एक ''शिवलिंग'' मिला है।

एक पक्ष का मानना है कि नंदी बाबा का मुख हमेशा शिव जी की तरफ ही होता है। सर्वे के दौरान ऐसा हुआ भी। नंदी बाबा के सामने थोड़ी दूरी पर तालाब में शिवलिंग मिल गया। कोर्ट ने जिला प्रशासन को उस स्थल को सील करते हुए वहां किसी के भी जाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। जांच कमिटी संबंधित कोर्ट को अलग अलग जांच रिपोर्ट सौंपेगी। कल मंगलवार को जांच कमिटी की रिपोर्ट पर सुनवाई होगी।

विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन का दावा ,12 फीट से अधिक बड़ा मिला है शिवलिंग।

-न्यायालय ने उक्त स्थान को सीज करने का आदेश दिया है।
-शिवलिंग को आदेश के निर्देश पीआर संरक्षित किया जाएगा।
-जल्द से जल्द आदि विशेश्वर का बनेगा भव्य मंदिर।
-50 साल किसी को इंतजार नही करना पड़ेगा।
-जिस स्थान पर शिवलिंग मिला उसी स्थान पर भव्य मंदिर बनेगा।
-इसका स्वरूप तैयार किया जा रहा है।

इसरी बाज़ार उत्तरी की मुखिया प्रत्याशी सुषमा देवी ने किया जनसंपर्क

डुमरी/गिरिडीह। प्रखण्ड के इसरी बाज़ार उत्तरी पंचायत के मुखिया पद की प्रत्याशी सुषमा देवी ने क्षेत्र में जन संपर्क शुरू किया।इस क्रम में उन्होंने पंचायत के कई मोहल्लों एवं बस्तियों का दौरा किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि विगत 25 वर्षो से वर्णवाल महिला समिति के सचिव के रूप में काम करती आ रही हूँ। इस तरह अपने जीवन का बहुमूल्य समय सामाजिक सेवा में देती आ रही हूँ। इस बार ईसरी बाजार उत्तरी पंचायत महिला के लिए आरक्षित है और आप सभों के आग्रह पर मैं भी मुखिया के उम्मीदवार के रूप में आपके समक्ष आई। विकास की गंगोत्री गांव से ही होकर जिला राज्य और राष्ट्र में बहेगी। गांव विकसित होगा तो जिला विकसित होगा तो राष्ट्र विकसित होगा और आप सभी भी यह महसुस कर रहे होंगे कि जितना विकास होना चाहिए था उतना विकास नही हो पाया है।उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं में लूटखसोट मचा हुआ है, मैं ईसरी बाजार उतरी पंचायत के सभी मतदाताबों से आग्रह करती हूँ कि एक बार आप मुझे मौका दें मैं आपके उम्मीदों पर खरा उतरने का वादा करती हूँ। मुखिया पंचायत का गार्जियन होता है। परन्तु मैं गार्जियन बनने नही सेविका बनने के लिए आपके समक्ष आयी हूं।कहा कि अपना बहुमूल्य मत मुझे दे कर एक बार आदर्श सेविका बनने का अवसर प्रदान करें। साथ ही ईसरी बाजार (उत्तरी) पंचायत की समस्याओं के निराकरण के लिए मैं सदैव तत्पर रहुँगी, मैं अपने पंचायत को एक आदर्श पंचायत बनाने का कार्य करूंगी, मैं अपने पंचायत के शिक्षा के स्तर में सुधार लाने का कार्य करूंगी, मैं अपने पंचायत में स्वास्थ उपकेन्द्र खोलने की मांग सरकार के समक्ष रखूँगी।कहा कि आप सभी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की विश्वास दिलाती हुँ। मुखिया प्रत्याशी सुषमा देवी ने कहा कि चुनाव चिन्ह ब्रेड टोस्टर क्रमांक- 7 है जो मत पत्र में सबसे नीचे है आप अपना मत देकर मुझे सेवा का एक अवसर जरूर दें।वहीं लंबे समय से सामाजिक सेवा से जुड़े होने के कारण इसरी बाज़ार उत्तरी के पद हेतु सुषमा देवी के लिए लोगों का रुझान बढ़ता हुआ प्रतीत होता है।

प्रचंड गरमी में चुनाव संपन्न कराने में है काफी परेशानी : प्रो मोहनलाल प्रसाद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बिरेन्द्र कुमार सिन्हा/डुमरी। तपती धूप में झारखंड में कराए जा रहे पंचायत चुनाव से उम्मीदवारों व चुनाव कार्य संपन्न कराने में जूटे सरकारी कर्मियों को रही परेशानियों को

गंभीर बताते हुए क्षेत्र के शिक्षाविद प्रो मोहनलाल प्रसाद ने कहा है कि 'नौकरी करी तो करी वरना ना करीश यह प्रचलित आंचलिक उक्ति शायद किसी उच्च वर्गीय नौकर-शाहों और राजनेताओं को थोथी बात लगे पर यह सच है। झारखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई की चिलचिलाती गर्मी में करायी जा रही है।पारा 45 से 50 डिग्री सेल्सियस को छू रहा है। जहां इस मौसम में सरकारी दफ्तर से लेकर निजी दफ्तर तक मार्निंग शिफ्ट में चलाए जाते हैं।आपदा विभाग द्वारा 11 बजे से 4 बजे दिन तक घर से बाहर न निकलने की सलाह जारी की जाती है।वैसे वक्त में एक सरकारी मुलाजिम तपती गर्मी में सैकड़ों की लाइन में खड़ा होकर मतदान पे-टी लेने की जद्दोजहद करता है।पूरे दिन धूप में बिना खाए-पीए मतदान सामग्री प्राप्त करता है।घंटों बूथ पर जाने के लिए वाहन का इंतजार करता है।इतनी परेशानियों का सामना करने के बाद जब बूथ पर पहुंचता है तो उसे पीने के पानी तक के लिए दर-दर भटकता है।न रहने-सोने की व्यवस्था,न खाना नसीब, न लाईट,न सुरक्षा और चुनाव सम्पन्न कराने के लिए कागजी दस्तावेज पूर्ण करने का काम,बूथ पर आम जनता एवं मतदाताओं को सम्भाल पाना इत्यादि क्या कोई आसान काम है।पीठासीन पदाधिकारी द्वारा अपनी डायरी में लिखना कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ के पीछे के अतिशय पीड़ा को कोई प्रशासनिक अमला समझने को तैयार ही नहीं।उन्होंने कहा कि सामग्री कोषांग प्राप्ति केंद्र से लेकर मतदान सामग्री जमा केंद्र तक अव्यवस्था और सुविधाओं की कमी प्रशासनिक अधिकारियों की कमजोर इच्छा शक्ति और निम्न मानसिकता का परिचय देता है।चुनावी नेता अपनी महत्वाकांक्षा में इतने आशक्त है कि शिक्षकों और कर्मचारियों की तो छोड़िए, आम जनता जिसके बदौलत वे हैं और हमारा लोकतंत्र जिंदा है,उनकी भी इन्हें तनिक चिंता नहीं है कि एक मतदाता दो घंटे तपती गर्मी में लाइन में खड़े होकर कैसे मतदान करेगा।उन्हें बुजुर्गों और दिव्यांगों एवं महिलाओं की भी चिंता नहीं है।चुनाव में किसी भी तरह की न्यायसंगत बात उठाना सरकारी कर्मचारी के लिए नौकरी से हाथ धोने का संकट लेकर आता है। पर चुनाव आयोग,चुनावी नेताओं और प्रशासनिक नियंताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव का यथोचित समय क्या है और चुनाव सम्पन्न कराने के लिए अच्छी व्यवस्था देना भी आपकी जिम्मेदारी है।एक चरण के चुनाव सम्पन्न कराने में मतदान कर्मियों को तीन दिन प्रशिक्षण व 2 दिन चुनाव प्रक्रिया में देने पड़ते हैं।साथ ही माध्यमिक परीक्षाओं की उतर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी शिक्षकों से साथ-साथ कराया जा रहा है।इतने दबाव से हार्ट-अटैक ही हो सकता है,परीक्षाओं का संचालन, उतर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं चुनाव कार्य इतनी गर्मी में कराया जाना क्या तर्कसंगत है? विधि नियंताओं और चुनाव आयोग को इतना अक्षम नहीं होना चाहिए कि उन्हें राजनीतिक पार्टियों की इच्छा का पालन करना पड़े। प्रशासनिक पदाधिकारियों को भी अरबों की सम्पत्ति जमा करने के लालच से बचना होगा और कम से कम जनता के प्रति उदार होना होगा।जान की कीमत पैसों से नहीं लगाई जा सकती, इसे,सत्ता के नशे में चूर इन चुनावी नेताओं को समझना होगा।सरकार की नीतियां झारखंड की साख पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं।इस पर गौर किया जाना चाहिए।

थोक कारोबारियों ने अनाज व फल-सब्जी मंगाना किया बंद, बढ़ेंगे मूल्य

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

धनबाद। दो प्रतिशत बाजार शुल्क के खिलाफ धनबाद के कारोबारियों ने आज 16 मई सोमवार से अनाज, फल-सब्जी की आवक पर रोक दी है. बरवाअड्डा स्थित बाजार समिति में 426 दुकान और कारोबारी हैं. सभी ने आर्डर देना बंद कर दिया है. इनके साथ जिले के 500 थोक कारोबारी भी हैं.प्रतिदिन 150 वाहन से अनाज, फल-सब्जी आती है।

जिला खाद्यान्न व्यवसायी संघ के महासचिव विकास कंधवे ने लगातार को बताया कि राज्य सरकार के द्वारा दो प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का बाजार समिति के व्यवसायियों के साथ जिले के थोक व्यवसायी भी विरोध कर रहे हैं. इससे पूर्व भी कृषि बाजार प्रांगण में अतिरिक्त शुल्क का विरोध किया गया था. लेकिन, सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंगी. अंततः बड़ा फैसला लेना पड़ा. दो प्रतिशत बाजार शुल्क के खिलाफ धनबाद के सभी 926 थोक कारोबारी हैं. बरवाअड्डा स्थित कृषि बाजार में प्रतिदिन लगभग 150 से अधिक वाहन से अलग-अलग राज्यों से अनाज, फल-सब्जी मंगाई जाती है. इस पर पूरी तरह रोक लग गई है. विकास कंधवे ने बताया कि 16 मई से ऊपर की मंडियों में लोडिंग पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. जो गाड़ियां मंडियों में लोड हो चुकी हैं या जो गाड़ियां मंडियों से निकल चुकी हैं, उन गाड़ियों को कृषि बाजार में खाली कराया जाएगा.

कारोबारियों का कहना है कि यदि सरकार इस निर्णय को वापस नहीं लेती है, तो झारखंड में व्यापार समाप्त हो जाएगा. झारखंड से सटे बंगाल के बराकर में कारोबारी शिप्ट कर जाएंगे. बंगाल में दो प्रतिशत जैसा शुल्क नहीं है. बराकर से धनबाद की दूरी भी अधिक नहीं है. व्यवसायियों का कहना है कि अगर बंगाल शिफ्ट करते हैं तो पैसे की बचत हो सकती है. उदाहरण के तौर पर अगर एक लीटर सरसों तेल का मूल्य 160 रुपए है तो यहां इसका दो प्रतिशत यानी 3.20 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा. लेकिन बराकर से कारोबार किया जाए तो एक लीटर सरसों तेल धनबाद आने में 50 पैसे खर्च होंगे. यानी 2.70 रुपए सस्ता मिलेगा.

गैंगस्टर पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने उसके आधा दर्जन लोगों को लिया हिरासत में

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

धनबाद। वासेपुर के गैंगस्टर प्रिस खान पर अब पुलिस चारों ओर से लगाम लगाना शुरू कर दी है। बैंक में पुलिस ने पिछले दो दिनों में प्रिस के आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है।हालांकि इससे पूर्व पुलिस ने प्रिस खान के कई परिचितों को थाना बुलाकर पूछताछ की है। प्रिस के साथ संबंध रखने वाले हर किसी पर पुलिस दबाव बनाने में लगी है। इधर डब्लू अंसारी को गोली मारने के मामले में धनबाद पुलिस ने वासेपुर के दो युवकों को हिरासत में लिया है। देर रात ही उन दोनों युवकों को उठा लिया गया था। पुलिस उनसे पूछताछ करने में लगी है। इस मामले में पुलिस काफी गोपनीयता भी बरत रही है। जिन युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है वह पहले भी कुछ मामलों में जेल जा चुके हैं। वही इधर डब्लू की स्थिति अस्पताल में गंभीर बताई जा रही है। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

- **प्रिस के कारनामे से वासेपुर में खौफः**

प्रिस खान के लगातार धमकी देने व गोली घटना को अंजाम करने के मामले से वासेपुर में खौफ का माहौल है। एक तरफ अप्सरा प्रतिष्ठान के मालिक मोहम्मद सलीम अपने घर से नहीं निकल रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर डब्लू को गोली मारने की घटना के बाद इलाके में दहशत मचा हुआ है। वही बैंक मोड़ के व्यवसाई यू मैं भी प्रिस के नाम पर डर का माहौल है। गौरतलब हो कि कुछ दिन पहले पुराना बाजार के व्यवसाई मुकेश केजरीवाल को भी प्रिस के नाम की धमकी आई थी जिसके बाद से ही वह काफी डरे हुए हैं।

कोयले व बालू का अवैध ट्रेडिंग का खेल वर्षों पुराना : कई अधिकारी व कर्मी ED की नज़र में

धनबाद। ED की कार्रवाई लगातार जारी है। आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी ने जब शिकंजा कैसा तो कई सारे राज से पर्दे उठने लगे हैं। साथ ही कई सारे नाम अब धीरे धीरे उजागर हो रहें हैं। इसी क्रम में झारखंड राज्य के चार जिले धनबाद, बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ में संगठित गिरोह द्वारा कोयले का अवैध ट्रेडिंग और अवैध बालू खनन के बड़े पैमाने पर चल रहें खेल की जानकारी जांच एजेंसियों को मिलने के बाद अब जेएसएमडीसी (झारखंड राज्य खनिज विकास निगम) के भ्रष्ट अधिकारियों, कॉन्ट्रैक्ट कर्मियों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की नजर है। लिहाजा इस गोरखधंधे में इसमें कई लोगों की गर्दन फंसनी तय है।

सूत्रों कि माने तो इन चार जिलों में तकरीबन पांच लाख टन कोयला की ट्रेडिंग प्रति वर्ष होती है। जांच एजेंसियों को यह पता चला है कि चार जिलों के फैक्ट्रियों को चलाने के लिए जिस कोयले की ट्रेडिंग हो रही है, इसमें ज्यादातर फैक्ट्रियां बंद पड़ी हुई है। इतना ही नहीं इससे सम्बंधित संगठित गिरोह द्वारा जेएसएमडीसी के कुछ अधिकारियों से सांठगांठ कर फैक्ट्रियों में उपयोग होने वाली कोयले को बनारस और डिहरी की मंडियों में भी खपा कर दोगुना मुनाफा कमा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कोयले की काली दुनिया में उमेश सिंह नामक शख्स पिछले 20 वर्षों से जेएसएमडीसी में अड्डा जमाए हुए हैं।इनके साथ गिरोह में निगम के महाप्रबंधक माइंस उत्तम विश्वास का भी नाम जुड़ा है। सूत्रों की माने तो माइंस एजेंट उमेश सिंह और कॉन्ट्रैक्ट कर्मी मिलकर जेएसएमडीसी में खुद का सिंडिकेट चलाते हैं।बताते हैं कि इन्ही के इशारों पर राज्य के आधा दर्जन जिलों में कोयले की अवैध ट्रेडिंग।इस खेल में कई डीएमओ,डीडीएम और माइंस के जीएम की संलिप्तता होना कोई दो राय नहीं है।

पूजा सिंघल और सीए सुमन सिंह की रिमांड अवधि 4 दिन बढ़ी, होगी और पूछताछ

रांची। मनी लाउंड्रिंग मामले में गिरफ्तार कअर पूजा सिंघल और उअ सुमन कुमार सिंह की रिमांड अवधि चार दिन और बढ़ गयी है. रिमांड अवधि खत्म होने पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सोमवार को जज कॉलोनी स्थित न्यायाधीश के समक्ष पेश किया. इस दौरान एऊके वकील ने पूजा सिंघल के लिए नौ दिन और सुमन कुमार के लिए पांच दिनों की रिमांड अवधि और बढ़ाए जाने की मांग की थी. इस पर न्यायाधीश ने दोनों के लिए चार दिनों की रिमांड की स्वीकृति दी है. बता दें के पूजा सिंघल और सीएम सुमन सिंह को रिमांड पर लेकर ईडी की टीम पूछताछ कर रही थी. सोमवार को रिमांड अवधि खत्म होने के बाद न्यायाधीश के समक्ष आज पेश किया गया, जहां से और चार दिनों की रिमांड की स्वीकृति ईडी को मिली है.

बसहा पंचायत का विकास और जनता की सम्मान मेरी प्राथमिकताः विक्रम तिवारी

- **लड़ाई है आमने सामने**

पालाजोरी। प्रखण्ड अंतर्गत बसहा पंचायत के युवा प्रत्याशी विक्रम तिवारी लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर जन समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं और इन्हें जनता का पूरा पूरा समर्थन भी मिलता दिख रहा है।कुल मिलाकर बसहा पंचायत की लड़ाई विक्रम तिवारी बनाम फुरकान अंसारी दिखता प्रतीत हो रहा है। जबकि पंचायत में सभी वर्गों और कॉम के लोगों का समर्थन विक्रम तिवारी को प्राप्त है। वहीं एक मुलाकात के दौरान विक्रम तिवारी ने कहा कि पंचायत की जनता अब शिक्षित और युवा प्रत्याशी की ओर उम्मीद के नजरों से देख रही है। वहीं विक्रम ने कहा कि पंचायत के विकास के साथ साथ छोटे मोटे घरेलू या सामाजिक विवाद का निबटारा पंचायत स्तर पर करना प्राथमिकता होगा। आज भी बहुत से गावों के लोगों को जरूरत के लिहाज़ से पंचायत के पिछले प्रतिनिधियों से लाभ नहीं मिला है।बसहा के बहुत से गावों के लाभुकों को एक बकरी सेड तक नहीं मिला है। मैं पंचायत की जनता से वादा करता हूँ पंचायत के विकास और सम्मान बचाने के लिए हर समय नेतृत्वकर्ता के रूप में खड़ा रहूंगा।

सांस्कृतिक संस्था इमैजिनेशन बिहार व द क्ले थियेटर द्वारा 20 दिवसीय अभिनय प्रशिक्षण कार्यशाला

अभिनय की बारिकियां सीख रहे हैं युवा, 25 मई तक चलेगा कार्यशाला

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

धनबाद। धनबाद के युवा अभिनय की एबीसी सीख रहे हैं। इसकी हर बारीकियों को आत्मसात करने में वे जुटे हुए हैं, ताकि कहीं कोई कमी न रह जाए। दरअसल धैया के आमंत्रण विवाह मंडप में युवाओं की प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से सांस्कृतिक संस्था इमैजिनेशन बिहार एवं द क्ले थियेटर धनबाद की ओर से 20 दिवसीय अभिनय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।यह 25 मई तक चलेगा। कार्यशाला में प्रतिभागियों को पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, म्यूजिक एक्सरसाइज, थियेटर गेम्स, कविता पाठ, अभिनय की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है।दिल्ली-मुंबई से भी कई प्रशिक्षक नियमित प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।अभी तक नाट्य कार्यशाला में प्रतिभागियों को संवाद अदायगी, नाटक की ब्लॉकिंग्स और मार्शल आर्ट सिखाया गया है। कुंदन कुमार की देखरेख लगभग नाटक के चार दृश्य तैयार हो चुके हैं। छअगले दो दिनों में बाकी के दृश्य भी बना लिए जाएंगे। इसके बाद रवि शर्मा अभिनेताओं के इनर इमोशंस और किरदार पर पकड़ बनाने के साथ अभिनय के सिद्धांतों को समझाते हुए उनसे बेहतर अभिनय परिणाम की तैयारी करवाएंगे। इसका उद्देश्य सही है कि सभी किरदार अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निभा सकें। कार्यशाला के अंतिम दिन रामधारी सिंह दिनकर के काव्य नाटक रश्मिरथी का मंचन होगा। रवि शर्मा ने बताया कि यह नाटक देखने वाला होगा। प्रोफेशनल आर्टिस्ट के साथ-साथ कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने वाले कलाकार भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। नाटक में शामिल होने के लिए शहर के प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया जा रहा है। रवि ने बताया कि धनबाद में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। बस इन्हें बेहतर मंच नहीं मिल पा रहा है। हम इस कार्यशाला के माध्यम से छिपी हुई प्रतिभा निखारने को काम कर रहे हैं। कार्यशाला में इमैजिनेशन के कुंदन कुमार, अनुभूति एक अहसास की शशि चंद्रा, वरिष्ठ रंग निर्देशक वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा, समाजसेवी वैभव सिन्हा, सलीम जावेद विशेष तौर पर सहयोग कर रहे हैं।

जिले में तृतीय चरण के मतदान हेतु किया गया द्वितीय रेंडमाइजेशन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के मद्देनजर सोमवार को ज़िले के एनआईसी कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के समक्ष तोसरे चरण के लिए द्वितीय रैंडमाईजेशन किया गया। इस रेंडमाइजेशन के बाद मतदान दलों का गठन हो गया है । प्रत्येक मतदान दल में पीठासीन पदाधिकारी,प्रथम मतदान पदाधिकारी,द्वितीय मतदान पदाधिकारी,तृतीय मतदान पदाधिकारी होंगे। साथ ही रेंडमाइजेशन में यह भी तय हुआ कि मतदान दल किस प्रखंड में मतदान कराने जाएंगे।

● **मतदान दलों एवं कर्मियों की संख्या**

तीसरे चरण के निर्वाचन में मंडरो प्रखंड में 150 बूथ बनाए गए हैं,जिसमें 165 पोलिंग पार्टियां बनाई गयी हैं तथा 660 मतदान कर्मियों को निर्वाचन कार्य में लगाया जाएगा।

उसी प्रकार तालझारी में 152 बूथ जिस पर 167 पोलिंग पार्टियां एवं 668 कर्मियों को निर्वाचन कार्य में लगाया जाएगा।

उधवा प्रखंड में 352 बूथ 388 पोलिंग पार्टियां एवं 1551 मतदान कर्मि कार्य करेंगे। इस प्रकार कुल 655 बूथ में, 720 पोलिंग पार्टियां एवं 2880 कर्मी निर्वाचन कार्य में कार्यरत होंगे। चतुर्थ चरण में साहिबगंज बरहेट एवं राजमहल में निर्वाचन निर्धारित है जहां साहिबगंज में 149 बूथ हैं,जहां 164 पार्टी तथा 656 कर्मियों को लगाया जाएगा।

बरहेट प्रखंड में 259 बूथ 285 पोलिंग पार्टियां एवं 1140 कर्मियों को लगाया जाएगा। राजमहल प्रखंड में 293 बुथ 391 पोलिंग पार्टी एवं 1285 कर्मियों को कार्य पर लगाया जाएगा। इस प्रकार चतुर्थ चरण में कुल 700 बूथ 770 पोलिंग पार्टी तथा 3080 मतदान कर्मियों को निर्वाचन कार्य में लगाया जाएगा।

मालूम हो की ज़िले में कुल 03 चरण में मतदान होगा जिसमें विगत 14 मई को प्रथम चरण में बरहरवा,पतना एवं बोरियो प्रखंड में चुनाव संपन्न कराया जा चुका है। इसी प्रकार तृतीय चरण आगामी 24 मई को मंडरो,तालझारी एवं उधवा तथा चतुर्थ चरण आगामी 27 मई को सहिबगंज ,बरहेट एवं राजमहल में चुनाव संपन्न कराया जाएगा। ज़िले में कुल मतदाताओं की संख्या 690945 है।त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2021 के निमित्त जिले में सामान्य मतदान केंद्रों की संख्या1311 हैं।इसी प्रकार संवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या 568 है।वहीं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की संख्या 144 है।इसी प्रकार कुल मतदान केंद्रों की संख्या 2023 है।

वहीं इस त्रिस्तरीय चुनाव में 4458 बड़ी मतपेटिका माध्यम आकार के 1700 बड़ी मतपेटिका,कुल 6158 मतपेटिका का उपयोग होगा।

रेंडमाइजेशन के दौरान डीसी के अलावे, सामान्य एवं व्यय प्रेक्षक, डीडीसी प्रभात कुमार बरदियार,अपर समाहर्ता विनय मिश्र, जिला पंचायती राज पदाधिकारी ओंकार नाथ, जिला सूचना एवं विज्ञान मेला अधिकारी उमेश कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

जनदर्शन कार्यक्रम के तहत विधायक पदयात्रा कर लोगों की सुनीं समस्याएं

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबंगज। स्थानीय विधायक अनंत ओझा ने जनदर्शन कार्यक्रम के तहत सोमवार को शहर के कई मुहल्लों में पदयात्रा कर लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए।उन्होंने शहर के रसूलपुर दहला,पटनिया टोला,मास्टर कॉलोनी एवं कई विभिन्न मुहल्ले में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा कर लोगों की समस्या को सुना एवं मौके पर ही समाधान का भरोसा देते हुए कहा कि चरणबद्ध व समयबद्ध तरीके से सभी समस्याओं का निदान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।लोगों की समस्याएं सुनने के क्रम में मुख्य रूप से मुख्य मार्ग पर नवनिर्मित गुणवत्ता विहीन सड़क,पेयजल समस्या,जल निकासी की समस्या,बिजली तार बदलने की समस्याएं आदि सामने आईं।उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी में विधायक निधि से निर्मित दो जलमीनार लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। मौके पर विधायक के साथ साथ मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष पंकज चौधरी,अनंत सिन्हा, अनिमेष सिन्हा,बबलू तिवारी,महेन्द्र पोद्दार, संजय पंडित, विक्रम दास, संजय पासवान, चंद्रभान शर्मा,अजित स्वर्णकार,मनु सिन्हा एवं अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

मोबाइल खरीदने के बहाने मोबाइल चोरी, पकड़ाए

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

उधवा। राधानगर थाना के समीप मोहनपुर पंचायत के टावर चौक से एक मोबाइल दुकान में दिन दहाड़े ग्राहक बनकर आए तीन युवकों के द्वारा मोबाइल खरीदने के बहाने मोबाइल लेकर फरार हो गया था.घटना की सारी रिकॉर्ड सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया. जानकारी के अनुसार सोमवार के दोपहर उक्त दुकान पर तीन युवक मोबाइल खरीदने के बहाने पहुंचे. मोबाइल देखने के बाद तीनों युवकों ने एक-एक मोबाइल अपने जेब पर भर पर पसंद न होने के बहाने वहां से फरार हो गया.बाद में दुकानदार द्वारा मोबाइल को अपने स्थान पर रखने व मिलान करने पर तीन मोबाइल गायब मिला. सीसीटीवी फुटेज देखने पर कुछ ही देर में तीनों युवकों को राधानगर थाना क्षेत्र के कठहलवाड़ी पंचायत के चहड़बन्ना से पकड़ कर राधानगर थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया. समाचार लिखे जाने तक मामले को लेकर दोनों पक्षों ने सुलहा कर लिया.विदित हो कि इस दुकान से इससे पहले रात में दो बार लाखों का मोबाइल चोरी हो चुका है.

विश्व डेंगू दिवस पर किया जागरूकता रथ रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहेबगंज। विश्व डेंगू दिवस के मौके पर पुराना सदर अस्पताल से सोमवार को जागरूकता रथ रवाना किया गया।रथ को राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के जिला पदाधिकारी डॉ मोहन पासवान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं इस मौके पर डॉ.मोहन पासवान ने कहा कि डेंगू बीमारी का वायरस मच्छरों के काटने से फैलता है।डेंगू एक संक्रामक रोग है और कुछ स्थितियों में यह बीमारी जानलेवा भी हो सकती है। डेंगू से सुरक्षित रहने के लिए सभी जागरूक होकर आवश्यक उपाय करने चाहिए।डेंगू से बचने का एकमात्र उपाय,मच्छरों से बचना है। उन्होंने कहा कि डेंगू संक्रमित मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन के समय संक्रमण फैलाता हैं। साथ ही डॉ. पासवान ने बताया कि एडीज मच्छर का जन्म आमतौर पर जमा पानी वाले स्थानों पर होता है।इसलिए घर के अंदर और आस-पास स्थिर पानी को साफ करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसके अलावा कूलर,गमले आदि में पानी जमा न रहने दें। घर में मच्छरों के अधिक होने पर सोने के लिए आपको हर रात मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। कूड़ेदान में कचरा एकत्रित होता दिखाई देने पर उसे तुरंत खाली करें।क्योंकि गंदगी या गंदा हिस्सा मच्छरों के लिए प्रजनन भूमि हो सकता है। रथ रवाना करते समय मनोज यादव,ललित कुमार सिंह एवं स्वास्थ्यकर्मी एवं मौजूद थे।

अमलो हाल्ट के समीप ट्रेन की जद में आने से युवक की मौत

बेरमो /करगली । आज अहले सुबह गोमो - बरकाकाना पेसेन्जर ट्रेन की चपेट मे आने से ढोरी स्टाफ क्वार्टर के समीप स्थित डिस्पेंसरी के निकट रहने वाले मोईन खान के लगभग 33 वर्षीय पुत्र मिस्टर अंसारी की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बेरमो पुलिस घटना स्थल पर पहुच गई है। जबकि घटना की जानकारी जैसे ही क्षेत्र में फैली भारी संख्या में लोग वहां जमा होने लगे। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना गोमो से बरकाकाना जाने वाली पेसेन्जर ट्रेन से हुई है। जिसका समय सुबह लगभग साढ़े सात बताया जाता है। घटना के पिछे की कारण का पता नहीं चला है। जबकि स्थानीय पुलिस गोमिया जीआरपी को सुचित कर दिया है।समाचार लिखे जाने तक वहां काफी गहमागहमी व मातम का माहौल व्याप्त था। जबकि मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था।वही मौके पर पहुची पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही घटना की सच्चाई सामने आ सकती है।

जिला प्रशासन के आदेश के वाबजूद निजी स्कूलों में नहीं दी गई गर्मी छुट्टी

निरसा। धनबाद जिले के सभी निजी और सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी दे दी गई है। वहीं दूसरी ओर चिरकुंडा के तालडांगा स्थित लोयोला स्कूल और निरसा डीएवी स्कूल में भीषण गर्मी में भी बच्चों को स्कूल बुलाया जा रहा है। इससे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और अभिभावक परेशान हैं। अभिभावक इस बात को लेकर काफी चिंतित हैं कि गर्मी में बच्चों की तबीयत न खराब हो जाए। इससे स्कूल प्रबंधन के प्रति उनमें नाराजगी भी है। अभिभावकों ने कहा कि स्कूल प्रबंधन मनमानी पर उतर आया है। एडमिशन के समय बच्चों को मिली स्कूल डायरी में साफ लिखा है कि 16 मई से 15 जून तक गर्मी की छुट्टी रहेगी। बावजूद बिना अभिभावकों से बात किए इस भीषण गर्मी में स्कूल को संचालित किया जा रहा है। इससे बच्चों के साथ अभिभावकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर 12 तक स्कूल चलने से तेज धूप में घर जाते समय बच्चों की तबीयत खराब होने का खतरा है। जिला प्रशासन से स्कूल के खिलाफ कारवाई की मांग की। धनबाद के जिला शिक्षा अधीक्षक इंद्र भूषण सिंह ने कहा कि जिले के सभी स्कूलों ने गर्मी की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। ऐसे में यह स्कूल कैसे संचालित किया जा रहा है, इसकी जांच कर स्कूल के विरूद्ध कारवाई की जायेगी।

डिवाइडर से टकराई मालवाहक, चालक गंभीर

धनबाद। झरिया । झरिया थाना क्षेत्र के दुखहरणी मंदिर के समीप अनियंत्रित होकर एक मालवाहक ने रविवार की देर रात लगभग 1 बजे डिवाइडर में जोरदार टक्कर मार दिया । घटना में मालवाहक वाहन संख्या जेएच 05 डीबी- 0336

बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। मालवाहक के डिवाइडर से टकराने के कारण पास लगा एक बिजली पोल भी क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार चालक को भी गंभीर चोटें आई हैं ।

देर रात स्थानीय लोगों की मदद से चालक को इलाज के लिए धनबाद भेज दिया गया है । वाहन में जूट का बोरा लोड है खबर लिखे जाने तक चालक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है ।

सलैया में मुखिया के लिए हुआ पुनर्मतदान

● **62.57 प्रतिशत हुआ मतदान**

बरकट्ठा । प्रखण्ड के सलैया पंचायत में केवल मुखिया पद के लिए 16 मई को पुनर्मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।जहाँ मतदातओं ने 62.57 प्रतिशत मतदान किया। आठ मुखिया प्रत्याशियों के भाग्य को मतदाताओं ने बक्से में बंद कर दिया।जिनका फैसला कल 17 मई को होगा। पुनर्मतदान में 11 बजे तक बड़ी तेजी से 50 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदाताओं की भीड़ पोलिंग बूथों पर उमड़ पड़ा। 11 बजे के बाद से तीन बजे तक 12 फीसद ही मतदान हुआ।

● **पुनर्मतदान को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम**

सलैया पंचायत में मुखिया पद के लिए पुनर्मतदान को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किया गया। एसडीओ पूनम कुजूर, एसडीपीओ नाजिर अख्तर भी सभी बूथों का भ्रमण कर रहे थे। सभी बूथों में एक एसआई और आधा दर्जन से अधिक जवान सुरक्षा में तैनात थे।

संक्षिप्त समाचार

घर घर हुआ गायत्री महायज्ञ

बोरियो,साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के आहवान पर गृहे-गृहे गायित्री यज्ञ के तत्वावधान में सोमवार को मोतीपहाड़ी गांव में शीला देवी के घर में माता गायित्री का पूजन यज्ञ का आयोजन हुआ। गायत्री परिवार के महादेव लाल ठाकुर ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा पर देश में एक साथ गायत्री परिवार के परिजनों ने अपने-अपने घरों में विश्व के कल्याण सुख,शांति और समृद्धि के लिए सामूहिक यज्ञ किया। इस अवसर पर मौके नंद लाल सिंह, प्रीतम,माया लाल साह एवं अन्य उपस्थित थे।

टोटेमिक कुरमी/कुड़मी विकास मोर्चा के बगोदर प्रखण्ड अध्यक्ष का निधन,

● **आज हुए दाह संस्कार में मोर्चा सदस्यों की जुटी भीड़**

डुमरी। टोटेमिक कुरमी/कुड़मी विकास मोर्चा के बगोदर प्रखण्ड अध्यक्ष बलदेव प्रसाद महतो का ब्रेन हेमरेज से हुए निधन के बाद आज सोमवार को खेड़ो नदी में दाह संस्कार किया गया।इनके निधन को कुड़मी समाज ने अपूरणीय क्षति बताया है।समाज के लोगों ने बताया कि मृतक समाजिक कार्यों मे हमेशा बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया करते थे,सरल स्वभाव के धनी व्यक्ति थे।उनके आत्मा के शांति के लिये दो मिनट का मौन व्रत रखा गया।इस दौरान कुविमो के केन्द्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार कुवियुमो केन्द्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो केन्द्रीय उपाध्यक्ष नारायण महतो जिलाध्यक्ष निरंजन महतो जिला सचिव युवा मोर्चा प्रवीण कुमार महतो ,जिला संरक्षक छोटन प्रसाद छात्र जिला उपाध्यक्ष नीलकंठ महतो,त्रिभुवन महतो,कुंजबिहारी महतो, बिरेन्द्र महतो,भुषण कुमार महतो,भुनेश्वर महतो,उमेश महतो,नीतिश पटेल,पवन महतो,पुनम महतो,राजेन्द्र महतो,रमेश महतो आदि उपस्थित थे।

गजब : शादी में खतियान लिखी पट्टी पहनकर स्टेज पर पहुंची दुल्हन, होने लगी चर्चा

बोकारो। बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड में हुई शादी की इन दिनों काफी चर्चा हो रही है. जो भी सुन रहे हैं, वे इसकी प्रशंसा कर रहे हैं. यह शादी प्रखंड के पिलपिलो ग्राम निवासी नारायण महतो के घर हुई. पुत्री कुमारी सुषमा की शादी डुमरी प्रखंड के कसुमा के लालमणि महतो के पुत्र शिवचरण कुमार के साथ शनिवार रात को हुई. दुल्हन बीए पास है और दूल्हा सेना में कार्यरत है.

यह शादी दुल्हन की वेशभूषा को लेकर चर्चा के केंद्र में है. शादी के समारोह स्थल में जब दुल्हन पहुंची तो उसके माथे पर पीले रंग की पट्टी लगी थी. उस पट्टी में 1932 का खतियान लिखा था. इसे देखकर सभी चकित रह गये. दुल्हन के साथ कई बच्चियां भी थीं. सभी ने पीली पट्टी पहनी थी. इसे जिसने भी देखा वह देखता रह गया. शादी के बाद बाराती और शराती के बीच इस बात की खूब चर्चा हुई. उन्होंने 1932 के खतियान के इस अनोखे प्रचार के तरीके की प्रशंसा की.

मुखिया प्रत्याशी ने चलाया जनसंपर्क

चुरचु। चुरचू प्रखंड के चरही पंचायत मुखिया प्रत्याशी संझली मुर्मू पति महादेव सोरेन ने चरही पंचायत अंतर्गत आकाशगंगा, बाजार टाड चरही बस्ती लाल बंगला घाटो रोड चरही चौक एवं जमुआ बस्ती में घर घर जाकर अपने पक्ष में मतदान करने का अपील किया। जहां मतदाताओं ने संजलि मुर्मु को मत देने का आश्वासन दिया। वही महादेव सोरेन ने बताया कि इस बार संझली मुर्मू की जीत पक्की है।

प्रथम चरण के मतगणना हेतु प्रवेक्षकों की नियुक्ति

गिरिडीह । त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के मद्देनजर प्रथम चरण का मतगणना कृषि उत्पादन बाजार समिति पचंबा, गिरिडीह में दिनांक 17 मई को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाना है। इसी आलोक में जमुआ प्रखंड के 544 मतदान केंद्रों हेतु 16 टेबल, 1 गणना प्रवेक्षक, 02 गणना सहायक को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार गिरिडीह प्रखंड के सभी 385 मतदान केंद्रों हेतु 18 टेबल, 01 गणना प्रवेक्षक तथा 02 गणना सहायक को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार गांडेय प्रखंड के सभी 352 मतदान केंद्रों हेतु 16 टेबल, 01 गणना प्रवेक्षक तथा 02 गणना सहायक को नियुक्त किया गया है।

प्रथम चरण के मतगणना हेतू दी गई आवश्यक जानकारी,मतगणना हेतु तीनों प्रखंड में 56 टेबल पर होगी मतों की गिनती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के मतगणना हेतु सोमवार को आवश्यक जानकारी दी गई।

मंगलवार को जिले के तीन प्रखंड बोरियो,बरहरवा एवं पतना में संपन्न हुए प्रथम चरण के निर्वाचन की मतगणना होगी।बोरियो प्रखंड के सभी पंचायतों की मतगणना राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज साहिबगंज में निर्धारित है एवं पतना एवं बरहरवा प्रखंडों के पंचायतों की मतगणना मॉडल कॉलेज कुंडली राजमहल में निर्धारित की गई है।दोनों जगहों पर जिला प्रशासन द्वारा विधि व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।यहां पुलिस पदाधिकारियों एवं अन्य पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है मतगणना की प्रक्रिया सुबह प्रातः 8:00 बजे से रात्रि के 8:00 बजे तक की जाएगी।

तीनों प्रखंड के मतगणना केंद्र में प्रत्येक काउंटिंग टेबल पर 01-01 मतगणना पर्यवेक्षक एवं दो दो मतगणना सहायक की प्रतिनियुक्ति की गई है।

20 दंडाधिकारी,पुलिस बल एवं सशस्त्र पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है जो वज्रगृह से 200 मीटर आगे ड्रॉप गेट मुख्य द्वार,दोनों बज्रगृह तक जाने वाले रास्ते, मतगणना केंद्र के उत्तर दक्षिण पूर्व पश्चिम द्वार आदि पर तैनात रहेंगे।

आज प्रथम चरण की मतगणना में जिला परिषद के 27 अभ्यर्थी,पंचायत समिति के सदस्य पद हेतु 185, मुखिया पद हेतु 255 एवं ग्राम पंचायत के सदस्य पद हेतु 1067 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा।मतों की गिनती के लिए 4 काउंटिंग हॉल प्रत्येक में 14- 14 टेबल बनाया गया है।मतों की गिनती के लिए बोरियो प्रखंड हेतु एक काउंटिंग हॉल बनाया गया है, जिसमें 14 टेबल होंगे।वहीं बरहरवा प्रखंड के लिए 02 काउंटिंग हॉल,प्रत्येक काउंटिंग हॉल में 14- 14 टेबल होंगे एवं पतना प्रखंड के लिए भी एक काउंटिंग हॉल जिसमें 14 टेबल बनाया गया है। इन सभी 56 टेबल पर मतों की गिनती हेतु लगभग 112 से अधिक कर्मी लगाए जाएंगे।

● **इनकी निगरानी में होगी मतों की गिनती**

जिला परिषद के सदस्य पद हेतु रिटर्निंग ऑफिसर अपर समाहर्ता विनय मिश्र हैं इनकी निगरानी में मतों की गिनती भी होगी एवं यही सर्टिफिकेट देंगे।

पंचायत समिति की सदस्य के लिए बरहरवा एवं पटना प्रखंड के रिटर्निंग ऑफिसर अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल रोशन साह हैं।

जबकि बोरियो प्रखंड के लिए रिटर्निंग ऑफिसर अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज राहुल जी आनंद जी हैं,जो मतों की गिनती पर अपनी नजर रखेंगे।

मुखिया पद के लिए बोरियो प्रखंड के आरओ प्रमोद आनंद जबकि वार्ड सदस्य पद के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी दिलीप टूडू रिटर्निंग ऑफिसर रहेंगे। जबकि बरहरवा प्रखंड के रिटर्निंग ऑफिसर मुखिया पद हेतु अंचल अंचलाधिकारी एवं वार्ड सदस्य पद हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी बरहरवा रहेंगे।इसके अलावा पतना प्रखंड में मुखिया पद हेतु रिटर्निंग ऑफिसर विकास पांडे कार्यपालक पदाधिकारी वार्ड सदस्य पद के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी पतना सौरभ कुमार रहेंगे

● **मतगणना केंद्र के नोडल**

पूरी काउंटिंग व्यवस्था में मतगणना केंद्र बोरियो प्रखंड जो राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज को निर्धारित किया गया है इसके नोडल पदाधिकारी डीडीसी प्रभात कुमार बरदियार बनाये गये हैं। जबकि बरहरवा एवं पतना प्रखंड हेतु बनाए गए बज्रगृह के नोडल पदाधिकारी अपर समाहर्ता विनय मिश्र रहेंगे ये तीनों प्रखंड से संबंधित संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया का प्रभावी पर्यवेक्षण,मॉनिटरिंग और संपूर्ण गतिविधियों पर अपनी पैनी निगाह रखेंगे।

इसके अलावा सभी निर्वाची पदाधिकारी,सहायक निर्वाची पदाधिकारी गठित दलों के द्वारा संपन्न किये जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे।

वहीं डीसी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों व कर्मचारियों को आदेश दिया है कि 17 मई को सुबह 6 बजे तक संबंधित बज्रगृह सह मतगणना केंद्र में उपस्थित होकर अपने अपने दायित्वों का निर्वहन समय पर करना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि मतगणना के कार्यों में बिल्कुल भी लापरवाही ना बरतें एवं इसे गंभीरता से लें।

● **काउंटिंग हॉल में मोबाइल फोन लेकर जाना वर्जित**

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश जारी किया है कि काउंटिंग हॉल में मोबाइल फोन व प्रतिबंधित सामग्रियों का प्रवेश वर्जित है।हॉल में कोई भी फोन का इस्तेमाल नहीं कर पायेंगे।इस आदेश का सख्ती से अनुपालन करवायें।

इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने प्रत्याशियों एवं उनके अभी कर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा है कि निर्वाचन कार्यों को सफलता से संपन्न कराने में जिला प्रशासन का सहयोग करने के लिए आप सभी का धन्यवाद एवं मतगणना से पूर्व सभी को शुभकामनाएं जिस प्रकार आप सभी ने निर्वाचन कार्यो में जिला प्रशासन का सहयोग किया है।उसी प्रकार मतगणना कार्यों में भी जिला प्रशासन का सहयोग करें एवं शांति बनाए रखें ताकि मतगणना कार्य सुचारू रूप से चले।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संपादकीय

रोजगार का संकट, 7 साल में सालाना सिर्फ 10 लाख नौकरियों के अवसर ही बन पाए

केंद्रीय श्रम मंत्रालय की ओर से इसी सप्ताह जारी तिमाही रोजगार सर्वे की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून 2021) में चुनिंदा नौ गैरकृषि क्षेत्रों में रोजगार 29 फीसदी बढ़कर 3.08 करोड़ हो गया। पहली नजर में प्रभावी लगने वाले इस आंकड़े की चमक थोड़ी कम तब पड़ती है, जब स्पष्ट होता है कि यह संख्या 2013-14 के आर्थिक सेंसस के दौरान दिए गए आंकड़ों की तुलना में है। तब रोजगार की संख्या 2.37 करोड़ दर्ज हुई थी। यानी अगर आंकड़ों द्वारा बताई जा रही सचाई पर गौर करें तो सटीक निष्कर्ष यह नहीं है कि रोजगार में 29 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। उपयुक्त निष्कर्ष यह होगा कि इन सात वर्षों के दौरान सालाना दस लाख रोजगार ही सृजित किए जा सके। वैसे भी भारतीय अर्थव्यवस्था साल 2017-18 से ही स्लोडाउन का शिकार रही है। लगातार तीन सालों तक जीडीपी की रफ्तार कम होती रही और फिर पिछले साल की भयंकर गिरावट। ऐसे में स्वाभाविक ही मन में सवाल उठता है कि आखिर हमारे जॉब मार्केट का क्या हाल है। सरकारी रिपोर्ट से कुछ हद तक इसका जवाब मिलता है, लेकिन इसमें कई सारे गैप हैं। सो इस मांग आधारित अनुमान को केंद्र सरकार के हाउसहोल्ड सर्वे पर आधारित लेबर सप्लाई के अनुमान से मिलाते हैं और तब तस्वीर गैर कृषि रोजगार की किल्लत की उभरती है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) की सालाना और तिमाही दोनों रिपोर्टों से जॉब की क्वॉलिटी में गिरावट की पुष्टि होती है। हालांकि कायदे से डिमांड और सप्लाई साइड के अनुमानों की आपस में तुलना नहीं होनी चाहिए क्योंकि इनकी अवधि अलग-अलग हैं, लेकिन फिर भी इनसे यह अंदाजा मिल जाता है कि रोजगार के मोर्चे पर क्या सीन है। पीएलएफएस की सालाना रिपोर्ट (जुलाई 2019 से जून 2020) दर्शाती है कि 2018 से रोजगार के पैटर्न में कृषि और अनौपचारिक क्षेत्रों की ओर झुकाव आया है। पीएलएफएस की तिमाही रिपोर्टों में सिर्फ शहरी ट्रेंड कवर किए जाते हैं। ताजा रिपोर्ट (अक्टूबर से दिसंबर 2020) इस बात की पुष्टि करती है कि निश्चित वेतन वाले जॉब में कमी आई है।

भारतीय अर्थव्यवस्था साल 2017-18 से ही स्लोडाउन का शिकार रही है। लगातार तीन सालों तक जीडीपी की रफ्तार कम होती रही और फिर पिछले साल की भयंकर गिरावट। ऐसे में स्वाभाविक ही मन में सवाल उठता है कि आखिर हमारे जॉब मार्केट का क्या हाल है। सरकारी रिपोर्ट से कुछ हद तक इसका जवाब मिलता है, लेकिन इसमें कई सारे गैप हैं।

कुछ अलग

सफलता और परमात्मा को पाना है तो हर रोज कुछ समय निकालकर करें काम

बचपन से ही हम अपने जीवन में कुछ न कुछ कार्य करते हुए उसमें व्यस्त रहते हैं। माता-पिता अपने बच्चों के लिए एक लिस्ट बनाते हैं। हमारे बचपन का जीवन एक के बाद दूसरी गतिविधि करने में ही बीत जाता है। स्कूल में हम समय पर कक्षाओं में पहुंचने के लिए दौड़ते हैं। जब हम ग्रेजुएट होते हैं, तब हम नौकरी या अन्य कोई काम करने के लिए भागदौड़ करते हैं। हमारे पास अनेक किस्म के कार्य होते हैं जिन्हें पूरा करने के लिए हमारा सारा जीवन व्यस्त रहता है। इसलिए जब भी हम ध्यान-अभ्यास में बैठने की कोशिश करते हैं, तो हमें स्थिर बैठना और अपने मन को शांत करना बहुत कठिन लगता है। आम तौर पर हम अपने कामकाज को ही अधिक महत्व देते हैं। जितना अधिक हम काम करते हैं उतना ही अधिक हमें अच्छा महसूस होता है। बहुत कम लोग स्थिर होकर मौन अवस्था में बैठने को महत्व देते हैं। हम सोचते हैं कि अगर हम स्थिर बैठे हैं तो हम कुछ नहीं कर रहे। हमें डर लगता है कि हमें आलसी या अक्षम करार कर दिया जाएगा। हालांकि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकाल स्थिर होकर मौन अवस्था में बैठना चाहिए। स्थिर रहने के जीवन में कई उद्देश्य हैं। स्थिरता में ही हमें रचनात्मक विचार आते हैं। स्थिर रहकर ही हम मुश्किलों का हल आसानी से निकाल पाते हैं। वैज्ञानिक, संगीतकार, कलाकार, कवि, लेखक, अविष्कारक एक उत्तम रचना के साथ उभरते हैं। स्थिरता में नए-नए सुझाव आते हैं, जो दुनिया में अद्भुत बदलाव लाते हैं। हम व्यस्त रहने के इतने आदी हो चुके हैं कि अपनी गतिविधियों को रोक कर शांति से बैठना हमें मुश्किल लगता है। जैसे किसी समस्या का हल निकालने या कुछ नया बनाने के लिए अपने व्यस्त जीवन में से समय निकालकर हम उस तरफ ध्यान देते हैं। ठीक इसी तरह स्वयं को जानने और परमात्मा को पाने के लिए हमें शांत होकर बैठने की आवश्यकता है। जब हम शांत होकर बैठते हैं तो शायद दूसरों की नजर में हम कुछ नहीं कर रहे होते लेकिन ऐसी अवस्था में हम स्थिर और शांत होकर स्वयं को जानने की और परमात्मा को पाने की कोशिश कर रहे होते हैं। बेहतर होगा कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति रोज समय निकालकर शांत होकर बैठने का अभ्यास करें। यदि हम कुछ समय शांत होकर बैठते हैं तो इससे हमें अनेक लाभ मिलते हैं। हम अपने काम में से कुछ समय शांत होकर यह सोच सकते हैं कि क्या हम अपना काम सर्वोत्तम तरीके से कर रहे हैं, और यदि नहीं तो इसे बेहतर कैसे किया जाए? जिससे हम काम करने के नए और बेहतर तरीके जान सकते हैं। यदि हम एक घर चलाते हैं तो कुछ समय शांति में बिताकर यह जान सकते हैं कि हम अपने परिवार की समस्याओं को कैसे हल कर सकते हैं या अपने परिवार के जीवन को कैसे बेहतर बना सकते हैं? यदि हम कला के क्षेत्र से जुड़े हैं तो शांत अवस्था में बैठकर अपनी रचनात्मकता पर ध्यान दे सकते हैं। हम स्थिर रहकर समय के साथ अपनी सभी गतिविधियों को संतुलित कर सकते हैं। परिणामस्वरूप हम अपने ध्यान-अभ्यास में भी उन्नति करते हैं।

स्कूल में हम समय पर कक्षाओं में पहुंचने के लिए दौड़ते हैं। जब हम ग्रेजुएट होते हैं, तब हम नौकरी या अन्य कोई काम करने के लिए भागदौड़ करते हैं। हमारे पास अनेक किस्म के कार्य होते हैं जिन्हें पूरा करने के लिए हमारा सारा जीवन व्यस्त रहता है।

विचार

काँग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मुद्दे पर रणनीतिक चुप्पी साध ली

नफरत और विभाजन की क्षेत्रवादी राजनीति

शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे ने 'पर-प्रांतियों' को चिह्नित करने और उनपर निगरानी रखने की बात कहकर एकबार फिर क्षेत्रवाद की संकीर्ण राजनीति को हवा दी है पिछले दिनों मुंबई के साकीनाका क्षेत्र में एक बत्तीस वर्षीय महिला के साथ ऑटो में वीभत्स बलात्कार किया गयाङ्क इस जघन्य वारदात के आरोपी के रूप में जौनपुर, उत्तर प्रदेश के एक ऑटोचालक की पहचान हुई है। आरोपित की पहचान और पकड़ के बाद शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में संजय राउत ने अपराध के 'जौनपुर पैटर्न' का उल्लेख किया और लिखा कि उससे मुंबई में गन्दगी फैल रही है। इसी नृशंस घटना के सन्दर्भ में गृहविभाग के आला अधिकारियों और पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुम्बई की कानून-व्यवस्था की बदहाली के लिए पर-प्रांतियों को जिम्मेदार मानते हुए उनकी 'ट्रैकिंग' और पंजीयन का निर्देश दिया। क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काना और बाहरी लोगों के ख़िलाफ़ लिखना-बोलना शिवसेना या उसके नेताओं के लिए नयी बात नहीं है। वे उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के ख़िलाफ़ गाहे-बगाहे ज़हर उगलकर मराठा अस्मिता को भड़काने का खेल खेलते हैं। परन्तु प्रदेश के संवैधानिक मुखिया द्वारा इसप्रकार का बयान देना चिंताजनक और अफ़सोसनाक है, दु:खद यह भी है कि महा विकास (विनाश) अघाड़ी में शामिल काँग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मुद्दे पर रणनीतिक चुप्पी साध ली है। हालाँकि, विपक्षी दल भाजपा ने वोटबैंक की परवाह न करते हुए इस क्षेत्रवादी सोच का विरोध किया है। यह विडम्बनापूर्ण ही है कि उद्धव उत्तर भारतीयों की ट्रैकिंग करके मुंबई को अपराधमुक्त और मुम्बईवासियों को सुरक्षित करना चाहते हैं,मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे क्या मुंबई और महाराष्ट्र में वीजा/पासपोर्ट और परमिट की व्यवस्था शुरू करना चाहते हैं? क्या वे भौगोलिक आधार पर चरित्र प्रमाण-पत्र जारी करते हुए क्षेत्र विशेष के लोगों को अपराधी घोषित करना चाहते हैं? क्या वे देश के अन्य राज्यों और शहरों में महाराष्ट्रवासियों के लिए इसी प्रकार की व्यवस्था और व्यवहार चाहते हैं? क्या वे मराठा श्रेष्ठता-ग्रंथि के शिकार हैं और अन्य देशवासियों ख़ासकर उप्र और बिहार के लोगों को हीनतर मानते हैं? क्या उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन किया है? क्या वे इस बात से बेखबर हैं कि मुंबई अंडरवर्ल्ड के संचालक और सरगना कौन लोग हैं? क्या वे इस बात से भी अनजान हैं कि मुंबई के उद्योग-धंधों और कारोबार की रीढ़ कौन हैं? क्या वे यह भी नहीं जानते कि प्रवासियों के ख़ून-पसीने के बिना मुंबई की गगनचुम्बी इमारतों में चमक-दमक और चहल-पहल संभव नहीं है? यह सब जानते-समझते हुए भी उन्होंने जो आपत्तिजनक बयान दिया है, उसकी ख़ास वजह हैङ्क यह खास वजह अगले साल की शुरुआत में होने वाला बृहन्मुंबई महानगर पालिका का चुनाव है, दरअसल, 'अपराध-शास्त्री' संजय राउत द्वारा अन्वेषित अपराध के 'जौनपुर पैटर्न' को समझने से पहले राजनीति के 'शिवसेना पैटर्न' को समझना भी जरूरी है, शिवसेना संकीर्ण अस्मितावादी और क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने वाला सबसे पुराना और किंचित पहला राजनीतिक संगठन है। इस आपराधिक घटना को स्थानीय बनाम बाहरी और मराठी बनाम प्रवासी का रंग जानबूझकर दिया जा रहा है। यह वोटबैंक की राजनीति के तहत किया गया है,कुछ ही महीने बाद होने वाले बृहन्मुंबई महानगर पालिका के चुनाव के मद्देनज़र मराठा वोटों का ध्रुवीकरण इसके केंद्र में है। उल्लेखनीय है कि पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना में काँटे की टक्कर हुई थी और शिवसेना ने बहुत मामूली अंतर से बृहन्मुंबई महानगर पालिका पर कब्ज़ा किया था, 40 हजार करोड़ से अधिक बजट वाली बी एम सी देश की ही नहीं, दुनिया की सबसे मालदार और दुधारू संस्था है, बी एम सी का वार्षिक बजट देश के कई राज्यों से अधिक है। यह शिवसेना की शक्ति का मूल आधार भी है,मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है, शिवसेना किसी भी कीमत पर इसे नहीं खोना चाहतीङ्क मुंबई में काफी बड़ी संख्या कोंकड़ी लोगों की भी है, कोंकण के क्षत्रप नारायण राणे को केन्द्रीय मंत्री बनाकर भाजपा ने इन वोटों में बड़ी सेंधमारी की कोशिश की हैङ्क इससे शिवसेना का परेशान होना लाजिमी है, खिसकते जनाधार के कारण बी एम सी चुनाव में पराजय की आशंका से शिवसेना में बदहवासी और बैचैनी है, इस पृष्ठभूमि में यह मराठा वोटबैंक को एकमुश्त साधने की कोशिश है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका के चुनावी समीकरण में उत्तर भारतीयों की नगण्य भूमिका होने से उनके ख़िलाफ़ लिखना-बोलना आसान हो जाता है। पिछले कुछ दशकों से शिवसेना ने सावधानी बरतते हुए प्रवासियों में भी उत्तर भारतीयों ख़ासकर बिहारी और पूर्वांचलियों को ही अपनी घृणा का शिकार बनाया है। यूँ भी उत्तर भारतीय मतदाताओं की पहली पसंद भाजपा है, इसलिए शिवसेना उनकी नाराजगी की चिंता नहीं करती,जबकि मुंबई में बड़ी संख्या में गुजराती और दक्षिण भारतीय प्रवासी भी मौजूद है, लेकिन उनकी निर्णायक संख्या को देखते हुए शिवसेना उनकी खिलाफत का जोखिम नहीं उठा सकती, सन् 1966 में बाला साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना क्षेत्रवाद और मराठा अस्मिता की स्थानीयतावादी राजनीति की ही उपज है। मराठा उपराष्ट्रीयता की पैरोकारी करके उसने पाँव पसारे हैं। अपनी स्थापना के शुरुआती दशकों में इसने दक्षिण भारतीय लोगों की ख़िलाफ़त की राजनीति की थी। उस समय मुंबई में क्लर्क स्तर की छोटी-मोटी नौकरियों और उद्योग-धंधों में दक्षिण भारतियों की काफी तादात थी। यह दुखद सत्य है कि शिवसेना का जन्म और विकास क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काने और संकीर्ण अस्मितावादी राजनीति का प्रतिफलन है, भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन के दौरान उसकी इन आक्रामक प्रवृत्तियों पर कुछ अंकुश लगा था। सन् 2008 में जब राज ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना के इतिहास को दुहराने की कोशिश की तो उन्हें असफलता ही हाथ लगी, आज मनसे का गठबंधन भाजपा के साथ है और उसने प्रांतवाद की आक्रामक और घ्रणास्पद राजनीति को लगभग तज दिया है, यही बात शिवसेना को भी समझने की जरूरत है कि 'मराठा कार्ड' की राजनीति अब वोटदिलाऊ और चुनावजिताऊ नहीं है, 20 वीं सदी के उत्तरार्द्ध में अस्मितावादी राजनीति और उपराष्ट्रीयताओं के उभार का उपजाऊ देशकाल-वातावरण था। परंतु वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण के बाद स्थिति में परिवर्तन आया है। 'मराठा मानुष' भी वैश्वीकरण और प्रवासन का लाभार्थी है और उनकी अपरिहार्यता से परिचित है।

प्रो. रसाल सिंह

गृहविभाग के आला अधिकारियों और पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुम्बई की कानून-व्यवस्था की बदहाली के लिए पर-प्रांतियों को जिम्मेदार मानते हुए उनकी 'ट्रैकिंग' और पंजीयन का निर्देश दिया। क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काना और बाहरी लोगों के ख़िलाफ़ लिखना-बोलना शिवसेना या उसके नेताओं के लिए नयी बात नहीं है।

ब्लॉग

विश्व व्यापार संगठन के निर्यात संबंधी नियमों के प्रतिकूल नहीं

निर्यात बढ़ने का सुकूनभरा दौर

यकीनन इस समय देश के निर्यात परिदृश्य पर तीन सुकूनभरे बदलाव दिखाई दे रहे हैं। एक, कोरोना संक्रमण के बीच पिछले वर्ष 2020 से तेजी से बढ़ते हुए निर्यात। दो, देश से निर्यात में कृषि निर्यात की बढ़ती हुई भागीदारी और तीन, सरकार के द्वारा निर्यात को रणनीतिक रूप से जो प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, वे विश्व व्यापार संगठन के निर्यात संबंधी नियमों के प्रतिकूल नहीं हैं। हाल ही में सरकार ने निर्यातकों को प्रोत्साहन देने के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाएं घोषित की हैं। इनमें से एक योजना निर्यात की संभावना रखने वाले सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देने के लिए 'उभरते सितारे' योजना है और दूसरी योजना रेमिशन ऑफ डयूटीज एंड टैक्सेस ऑन एक्सपोर्ट प्रोडक्ट्स (आरओडीटीईपी) स्कीम है। इसके तहत सरकार द्वारा आगामी तीन वर्ष तक 8555 उत्पादों को तैयार करने वाले निर्यातकों को उनके द्वारा केंद्र, राज्य सरकार तथा स्थानीय निकायों को दिए गए टैक्स का रिफंड दिया जाएगा। खास बात यह है कि आरओडीटीईपी के तहत जो कर छूट दी गई हैं, वे विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप हैं और इन पर कोई आपत्ति नहीं उठाई जा सकेगी। इन दो योजनाओं के अलावा सितंबर 2021 में भारतीय उत्पादों को प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु कोई 45 हजार से अधिक छोटे निर्यात कारोबारियों के लिए इस वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंत तक 56 हजार 27 करोड़ रुपए की धनराशि का वितरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। निश्चित रूप से इस समय देश से तेजी से बढ़ते हुए निर्यातों को इन नए प्रोत्साहनों से नई गति दी जा सकेगी। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2021 में भारत से उत्पादों का निर्यात 33.14 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल 2020 की समान अवधि की तुलना में 45.17 फीसदी अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2021-22 में अप्रैल-अगस्त के पांच महीनों के दौरान भारत का निर्यात 163.67 अरब डॉलर रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 66.92 फीसदी अधिक है तथा 2019 की समान अवधि की तुलना में 22.93 फीसदी अधिक है। निर्यात की इस तेज वृद्धि के कारण भारत चालू वित्त वर्ष में अपने 400 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य का करीब 41 फीसदी मुट्ठी में कर चुका है। लगातार पांच महीने से निर्यात में बढ़ोतरी न सिर्फ बेहतर अर्थव्यवस्था का संकेत दे रही है, अपितु यह निर्यात में स्थिरता का भी प्रतीक है। पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग के सामान, फॉर्मा और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र में मांग ज्यादा होने की वजह से निर्यात में बड़ी तेजी आई है। उल्लेखनीय है कि सरकार के द्वारा मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से देश के निर्यात बढ़ने लगे हैं। उदाहरण के लिए एक साल पहले देश 8 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन का आयात करता था। अब 3 अरब डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात कर रहा है। यदि हम देश के वर्तमान निर्यात परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि अमेरिका, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात सहित दुनिया के विभिन्न विकसित और विकासशील देशों को निर्यात तेजी बढ़ रहे हैं। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि कोरोना काल में जब दुनिया के कई खाद्य निर्यातक देश कोरोना महामारी के व्यवधान के कारण कृषि पदार्थों का निर्यात करने में पिछड़ गए, ऐसे में भारत ने इस अवसर का दोहन करके कृषि निर्यात बढ़ा लिया।

यदि इन विभिन्न बातों पर सरकार के द्वारा रणनीतिपूर्वक ध्यान दिया जाए और निर्यातकों के द्वारा निर्यात के ऊंचे लक्ष्यों के लिए हरसंभव प्रयत्न किए जाएंगे, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि वित्त वर्ष 2021-22 में वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी और भारत 400 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर सकेगा।

देश दुनीया से

आखिर कहां तक जाएगा आंदोलन

नौ महीने से दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन का दायरा देशव्यापी होता जा रहा है। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलित संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत बंद करके अपने आक्रोश की आग को और हवा दे दी है। कभी डंकल कानून के खिलाफ भी देश भर का किसान एकजुट हुआ था, लेकिन तब भारत बंद का बहुत अधिक असर नहीं हुआ था। सोमवार के भारत बंद से पहले 26 मार्च को भी किसान संयुक्त मोर्चा ने बंद का आह्वान किया था, लेकिन इसका असर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा तक सीमित था। 18 फरवरी को रेल रोको आंदोलन हुआ था, जो लगभग सफल रहा था, लेकिन सोमवार के भारत बंद से ऐसा लगता है कि कृषि कानूनों के खिलाफ बंद ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार से कर्नाटक और केरल तक पैठ जमा ली है। किसान आंदोलनों के इतिहास में यह सबसे बड़ा आंदोलन साबित हो रहा है। वर्तमान आंदोलन के दौरान अब तक पांच बार चक्का जाम, तीन दर्जन से अधिक महापंचायतें हो चुकी हैं। सड़कों पर किसान हैं और आम लोग परेशान हैं। रोजाना मोटा आर्थिक नुकसान हो रहा है। सबसे ज्यादा असर मंडियों की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। कृषि कानूनों पर कई बार सरकार से किसानों की असफल बात हो चुकी है। पहली बार देश भर के 42 किसान संगठन एक मंच पर आकर सरकार पर कानून वापस लेने का दबाव डाल रहे हैं। सरकार की भी अपनी दिक्कत है। किसी भी कानून में संशोधन तो हो सकते हैं, लेकिन वापस लेना भविष्य के संकट को न्योता देना है। हर कोई कानून वापस करने की मांग करने लगेगा। इस आंदोलन को सियासी चश्मे से देखने वाले भी कम नहीं हैं, लेकिन सियासत के पास भी समाधान नजर नहीं आ रहा है। एनडीए विरोधी घटक भी समाधान का रास्ता नहीं बता पा रहे हैं। यूं किसान आंदोलनों का इतिहास पुराना है। पर पहले के अधिकांश आंदोलन बड़ी जोत वाले किसानों के थे। हालिया आंदोलन भी बड़ी जोत वालों का अवश्य है, लेकिन किसान संगठन अपनी बात गांव-गांव पहुंचाने में कामयाब दिखते हैं, इसलिए आंदोलन का विस्तार दूसरे राज्यों तक होता जा रहा है। क्या हम वाकई इस आंदोलन के समाधान के बारे में सोच रहे हैं? कुछ पिछले संदर्भ भी लेते हैं। टिकैत बंधुओं के पिता महेंद्र सिंह टिकैत खांटी किसान नेता थे। वह एक बात सभी मंचों से कहते थे,...सरकार को क्या हक कि हमारी फसलों का दाम तय करे। करना ही है, तो महंगाई दर से तय करो। टिकैत ने दिल्ली में किसान एकता मंच बनाकर इस लड़ाई को तेज करने की पहल भी की। सभी फसलों से जुड़े आंदोलनकारी किसान नेताओं को एक मंच पर लाए, जैसे आलू, प्याज, सरसों, गन्ना। यानी जिस राज्य में जो फसल प्रमुख है, उसके नेता इस मंच पर थे। दुर्भाग्यवश, शरद जोशी और महेंद्र सिंह टिकैत में बिखराव हो गया। चौधरी चरण सिंह ने किसान आंदोलन नहीं किए, लेकिन वह भी इस बात के पक्षधर थे कि बाजार मूल्य से फसलों के दाम तय होने चाहिए। किसानों की पुरजोर मांग पर रफी अहमद किदवई ने फॉर्मूला तैयार किया था, जिसको रफी अहमद किदवई फॉर्मूले नाम से जाना जाता है, मतलब जो चीनी का रेट हो, उसी अनुपात में गन्ने का भाव तय कर दिया जाए। यही फॉर्मूला अन्य फसलों पर भी लागू हो, लेकिन आज तक यह फॉर्मूला लागू नहीं हुआ। वर्तमान में चीनी भाव 3,800 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास है, जबकि गन्ने का भाव प्रति क्विंटल 400 रुपये के पार भी नहीं गया है। किसानों को गन्ने से बहुत लाभ नहीं मिल रहा है, राजनीतिक पार्टियों को सियासी लाभ भले हो रहा हो। ब्राजील में भी गन्ना प्रमुख फसल है।

तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलित संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत बंद करके अपने आक्रोश की आग को और हवा दे दी है। कभी डंकल कानून के खिलाफ भी देश भर का किसान एकजुट हुआ था, लेकिन तब भारत बंद का बहुत अधिक असर नहीं हुआ था।

बोधि वृक्ष

इस तरह चलता है आपका शरीर, इनकी मदद से काम करते हैं हाथ-पैर और सभी इंद्रिया

इसमें कोई संदेह नहीं है कि मानवता का धर्म हमें अनंत की अनुभूति कराता है। इस धर्म के माध्यम से ही लोग शाश्वत सुख और आनंद का अनुभव ले सकते हैं। मनुष्य की विशेषता ब्रह्म को प्राप्त करना है। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि ब्रह्म मौजूद है या नहीं, क्योंकि कुछ ऐसा प्राप्त करने का प्रयास करना व्यर्थ होगा जो वास्तव में मौजूद नहीं है। यदि ब्रह्म मौजूद है तो हमें पता होना चाहिए कि वह क्या है। ऐसा प्रतीत होता है कि कोई व्यक्ति जो भी कार्य करता है, वह उसके भौतिक अंगों, इंद्रियों से किया जाता है। फिर भी वास्तव में ऐसा नहीं है। यदि मन उनके पीछे काम नहीं करता है तो इंद्रियां स्वयं कोई कार्य नहीं कर सकती हैं। मन ही कार्य करता है और दस इंद्रिया मात्र साधन हैं जिनसे कार्य किया जाता है। जो कर्म मन से उत्पन्न होता है, वह इंद्रियों की सहायता से अपनी बाह्य अभिव्यक्ति पाता है। इसे समझने के लिए हम किसी पुस्तक को देखने वाले व्यक्ति का उदाहरण ले सकते हैं। मन ही आंखों से पुस्तक की कल्पना करता है। अगर दिमाग काम नहीं करेगा तो आंखें किताब नहीं देख पाएंगी। उदाहरण के लिए एनेस्थीसिया या किसी अन्य कारण से बेहोशी की स्थिति में एक व्यक्ति किताब को नहीं देख पाएगा भले ही उसकी आंखें खुली हों। ऐसी अचेतन अवस्था में आंखें क्षतिग्रस्त नहीं होती हैं फिर भी वे अपना प्राकृतिक कार्य नहीं कर पाती हैं क्योंकि मन से संपर्क टूट जाता है। अक्सर जब हम विचारों में लीन होते हैं तो अपने सामने खड़े किसी व्यक्ति या मित्र को पहचानने में असफल हो जाते हैं।

पाठक पत्र

सोशल मीड़िया पर आएं

अपने कार्यों के प्रति पारदतशता लाने के लिए ग्राम पंचायतों के हमारे मुखियाग सरपंचग वार्ड मेम्बरग पंच सहित नगर निकायों के मुख्य पार्षदग वार्ड कॉउंसिलर जैसे पंचायती-प्रतिनिधि भी सोशल मीडिया पर अपने-अपने एकाउंट खोलेंग ताकि ग्राम या नगरवासी उनके व्यक्तिगत परिचय सहित उनके द्वारा कराये जा रहे कार्यों से अवगत हो सके और उन्हें एतदर्थ सुझाव भी प्राप्त हो सके। मुखिया और सरपंचों के समक्ष आए अबूझ मामलों पर भी इसके माध्यम से राय जानी जा सकती है, क्योंकि निष्पक्ष मुखिया और सरपंच न्याय के प्रमुख केंद्र होते हैं। यदि ये जन प्रतिनिधि सोशल मीड़िया के माध्यम से जनता के संपर्क में रहते हैं तो उनके बारे में अच्छी राय बनेगी।

डॉ. सदानंद पॉल,मनिहारी, कटिहार

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

सलाहः गैस की समस्या है तो रोज करें भुजंगासन

आज लोगों में गैस की समस्या आम है। इसे गैस्ट्रिक ट्रबल और वायु गोला जैसे नामों से भी पुकारा जाता है। बार-बार गैस बनना, डकारें अधिक लेना तथा पेट में गुड़गुड़ाहट होना इसके मुख्य लक्षण हैं। जिनकी पाचन शक्ति अकसर खराब रहती है एवं जो प्रायः कब्ज के शिकार रहते हैं, वे लोग गैस की तकलीफ से परेशान रहते हैं।

योगाभ्यास से निदान

हमारी अनेक बीमारियों का केन्द्र हमारा पेट है। सारे रोग पेट से ही शुरू होते हैं। जो खाना हम खाते हैं, उससे रस बनता है। रस से शरीर में रक्त और मांस आदि का निर्माण होता है। परंतु यदि पाचन संस्थान के किसी भी अंग में विकार आ जाए तो उदर संबंधित सभी बीमारियां हो जाती हैं। शरीर को निरोगी रखने के लिए प्राचीनकाल से ही योग का उपयोग होता आया है। कुछ योगाभ्यास नियमित रूप से करने पर पाचन संस्थान संबंधित रोगों का जह से निदान हो सकता है। इनमें वज्रासन, उतान पादासन, सर्वांगासन, हलासन, मत्स्यासन, भुजंगासन, शलभासन, भस्त्रिका प्राणायाम, सूर्याभेदी प्राणायाम, अग्निसार क्रिया, उदर शक्ति विकासक सूक्ष्म व्यायाम आदि प्रमुख हैं।

सर्वांगासन की अभ्यास विधि

जमीन पर सीधे लेट जाएं। कमर को उठाते हुए टांगों को भूमि के समानांतर रखें। अब दोनों हाथों का सहारा पीठ को दें और धीरे-धीरे पांवों को आकाश की ओर उठा दें। ठोही कंठ कूप में। ध्यान रखें कि कंधों से लेकर पांव की उंगलियों तक शरीर एक सीध में रहे। शरीर 90 अंश के कोण तक लाएं। इस स्थिति में यथासंभव रुकने का प्रयास करें। फिर धीरे-धीरे नीचे आ जाएं। वापस आते कोई झटका न लगे, इस बात का ध्यान रखें। पहले टांगों को भूमि पर समानांतर करें, फिर पांवों को धीरे-धीरे नीचे लाएं। नीचे आते विश्राम करें। अभ्यास होने के बाद इस आसन में कम से कम दो मिनट तक रुकें।

लाभ : रक्त शुद्धि, मस्तिष्क एवं हृदय, फेफहों की पुष्टि के लिए उपयोगी है। यह गैस, टांसिल व गले के रोगों के लिए रामबाण है। नेत्र ज्योति तथा रक्त विकार को दूर करता है, त्वचा रोग ठीक करता है।

विशेष : हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, गर्भवती्त्रियों के लिए वर्जित है।

उत्तान पादासन

जमीन पर दरी बिछाकर उस पर पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैरों के पंजे और एड़ियों को मिलाकर रखें तथा दोनों हाथ शरीर के दोनों ओर सटाकर सीधे रखें। दोनों पैरों को उठाएं। यथासंभव इस स्थिति में रहें। इसके बाद पैरों को धीरे-धीरे नीचे लाएं। यह आसन शुरू में लगभग पांच बार करें।

लाभः यह आसन कब्ज, गैस, अजीर्ण, बवासीर तथा पेट के अन्य रोगों का नाश करता है। इस आसन में पेट व स्नायु ठीक से कार्य करने लगते हैं। खट्टी डकारें, पेट के कीहे आदि के लिए रामबाण का काम करता है। शरीर का मोटापा भी कम करता है।

भुजंगासन विधि

मुंह नीचे करके पेट के बल लेट जाएं और शरीर को ढीला छोह दें। हथेलियों को कंधों और कुहनियों के बीच के स्थान पर जमीन पर रखें। इसके बाद नाभि से आगे तक के भाग को धीरे-धीरे सांप के फन की तरह उठाएं। पैर की उंगलियों को पीछे की तरफ खींचकर जमीन का स्पर्श कराएं। यथासंभव आसन में रुकें। इसे कम से कम चार बार करें।

लाभ : इस आसन से गर्दन, कंधे, मेरुदंड प्रभावित होते हैं। पीठ, छाती, हृदय, कंधे, गर्दन व पेशियां शक्तिशाली बनती हैं।

अग्निसार क्रिया

सुखासन या पद्मासन की अवस्था में बैठ जाएं। दोनों हाथों को घुटनों पर रखें और सांस छो कर पेट को अंदर खींचें और तेजी से 8 से 10 बार छोड़ें और पिचकाएं। फिर सीधे होकर गहरी सांस लें। यह क्रिया कम से कम पांच बार करनी चाहिए। इस क्रिया को हमेशा खाली पेट करना चाहिए।

लाभः पाचन-तंत्र की शक्ति बढ़ाने में लाभदायक है। पुराने से पुराने कब्ज और गैस संबंधित रोग को यह क्रिया जड़ से मिटा देती है।

विशेष : अल्सर, हर्निया, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और गर्भवती स्त्री के लिए यह क्रिया और उपरोक्त भुजंगासन वर्जित है।

आपके शरीर में ही मौजूद है वजन कंट्रोल करने का तरीका!

आजकल गलत खानपान और रहन-सहन की वजह से बहुत से लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं। यही वजह है कि वे जल्द ही बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते है कि वजन को कंट्रोल करने का तरीका आपके शरीर में ही मौजूद है, बस जरूरत है तो इस पर काम करने की। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिससे आप बिना कोई कसरत किए अपने वजन पर कंट्रोल कर सकते हैं। दरअसल हमारे शरीर में मौजूद सैकड़ों बिंदुओं में से 4 बिंदु ऐसे है, जिन पर दबाव डालने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन तेजी से कम होता है।

आइए जानते हैं शरीर में मौजूद इन बिंदुओं के बारे में:-

» हमारे चेहरे पर नाक के नीचे और होठों से ठीक ऊपर एक बिंदु होता है। इस स्थान पर 5 मिनट तक दबाव डालने से भूख कंट्रोल होती है और आप अधिक खाने से बचते हैं। यह बेचैनी और तनाव आदि समस्याओं से भी छुटकारा दिलाता है। इसे दिन में 2 बार करें।

» हाथों के बीच में टखने से ऊपर मौजूद इस बिंदु पर दबाव डालने से शरीर का तापमान सामान्य रहता है, जो शारीरिक वजन सही होने के लिए बहुत जरूरी है। इस बिंदु से शरीर की ऊर्जा बाहर निकलती है और वजन तेजी से कम होता है। इस बिंदु पर 1 मिनट तक दबाव डालें और दिन में 2 से 3 बार करें।

» यह बिंदु आपके दोनों पैरों के बीच में मौजूद है। इस पर कम से कम 10 मिनट तक उंगली से हल्की मसाज करें। इस क्रिया को दोनों पैरों में दिन में 9 बार दोहराएं। यह खाने को आसानी से पचाता है और भूख भी कम लगती है।

» अधिक तनाव में रहने से भी वजन तेजी से बढ़ता है। इससे बचने के लिए कान के इस बिंदु पर अंगूठे से 3 मिनट तक दबाव बनाएं। यह क्रिया दिन में 3 बार दोहराएं।

विवाहित जोड़े का ऐसा होना चाहिए बेडरूम

कमरे का इंटीरियर डिजाइन रिश्तों और मूड पर काफी असर डालता है, इसलिए विवाहित जोड़े के लिए बेडरूम तैयार कराने के दौरान कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। डायमेन्शंस कंपनी की इंटीरियर डिजाइनर मेघना मीरचंदानी और इंटीरियर डिजाइनर आकांक्षा सिंह ने इस संबंध में ये सुझाव दिए हैं :

1. कमरे में कपड़ों की अलमारी की व्यवस्था जरूर होनी चाहिए और उसमें पयार्प्त जगह होनी चाहिए, जिससे दोनों लोग भारतीय और वेस्टर्न कपड़ें आराम से अलमारी में रख सकें।

2. कमरे की दीवारों का रंग न्यूट्रल होना चाहिए, जिसमें ज्यादा मैस्कुलिन या फेमिनीन जैसा रंग नहीं झलके। न्यूट्रल रंग के साथ गोल्ड का संयोजन किया जा सकता है, जिससे बेडरूम का दीवार हाइलाइट हो सके। बेड की तरफ की दीवार पर बहिया वॉल पेपर लगा होना चाहिए।

3. कमरे के कोने में एक ड्रेसर होना चाहिए, जहां मेकअप के सामान रखे जा सके और तैयार हुआ जा सके। वहां इलेक्ट्रिक कनेक्शन भी होना चाहिए, जिससे हेयर ड्रॉयर का इस्तेमाल किया जा सके।

4. दीवार पर कमरे की थीम से मिलती-जुलती एक दीवार घड़ी लगाएं।

5. कमरे में दो लेयर वाले पदे'होने चाहिए, एक महीन कपड़े वाला होना चहिए और मुख्य पर्दा मोटा कपड़ों वाला होना चाहिए, जिससे रोशनी उससे होकर नहीं गुजरे और निजता बनी रहे।

6. कमरे के लिए गलीचा की भी व्यवस्था करें, जो कमरे को कंप्लीट लुक देता है।

7. दंपति के सोने के लिए अच्छे गद्दे और कुशन की व्यवस्था होनी चाहिए।

8. कमरे में यादगार चीजों सहेज कर रखने के लिए एक अलग से जगह होनी चाहिए।

7. रंगीन खुशबूदार कैंडिल जलाने या यादगार तस्वीरों को रखने के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान, ऑनलाइन शॉपिंग होगी आसान

...ताकि आप न हों ठगी का शिकार

टाइम और पैसे की बचत करने के लिए लोग आजकल खूब ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं। ऐसे में चाहे वर्किंग विमिन हों या हाउसवाइफ, सभी ऑनलाइन सामान खरीद रही हैं। कई बार कुछ लोग ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त ठगी का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में अगर कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखा जाए तो ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त ठगी से बचा जा सकता है।

समय-समय पर बदलें पासवर्ड

अगर आप ज्यादातर ऑनलाइन शॉपिंग करती हैं, तो समय-समय पर अपना पासवर्ड बदलती रहें। हमेशा कोशिश यही की जानी चाहिए कि पासवर्ड कम से कम 8 कैरेक्टर का हो। इसमें नंबर्स व सिंबल्स भी शामिल करें। पासवर्ड जितना लंबा होगा, उतना ही सुरक्षित होगा।

एनक्रिप्शन सुनिश्चित करें

किसी वेब पेज पर कॉन्फिडेंशल जानकारी डालने से पहले सुनिश्चित कर लें कि साइट डेटा सिक्यॉरिटी के लिए उपयोग की जाने वाली एनक्रिप्शन उपयोग करती हो। एनक्रिप्शन के कुछ संकेतों में वेब एड्रेस में S'होना है जिसमें 'S' का अर्थ है सिक्यॉर। साथ ही इसके बगल में एक बंद ताले का निशान भी इसका संकेत हो सकता है।

कार्ड की जानकरी साझा न करें

आपके ई-मेल पर कई बार ऐसे मेल आते हैं जो आपको शॉपिंग करने के बाद बोनस पॉइंट या डिस्काउंट देने के लिए आपके कार्ड की जानकारी मांगते हैं। कई बार लॉटरी निकलने के मेल भी आते हैं, यह सब स्पैम होते हैं। भूल कर भी अपने अकाउंट नंबर या डेबिट व क्रेडिट कार्ड की जानकारी इन्हें न दें।

डेबिट की जगह क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करें

ऑनलाइन शॉपिंग करने के बाद आप अपने बैंक स्टेटमेंट की वक्त-वक्त पर जांच करती रहें। इसके अलावा डेबिट कार्ड की जगह क्रेडिट कार्ड से भुगतान करना चाहिए क्योंकि बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ जो गारंटी देता है, वह डेबिट कार्ड के साथ नहीं मिलती है।

अनवेरिफाइड लिंक्स पर क्लिक न करें

किसी भी ऑनलाइन वेबसाइट पर खरीददारी करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप किसी ऐसे लिंक पर क्लिक न करें, जो आपको बिना किसी कारण के अवांछित ई-मेल भेजता हो या आकर्षक ऑफर देता हो। अक्सर ऐसे लिंक्स पर क्लिक करने पर ये साइट्स हमारी जानकारियां चुरा लेती हैं।

साइट की वैधता की जांच करें

वेबसाइट का डिजिटल सर्टिफिकेट जांच करके ही उस वेबसाइट से शॉपिंग करें। इस तरह की वेबसाइट्स को वेरीफाइड सर्टिफिकेट मिला होता है। इस पर क्लिक करके आप साइट की वैधता की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकती हैं। इससे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन सेफ रहता है।

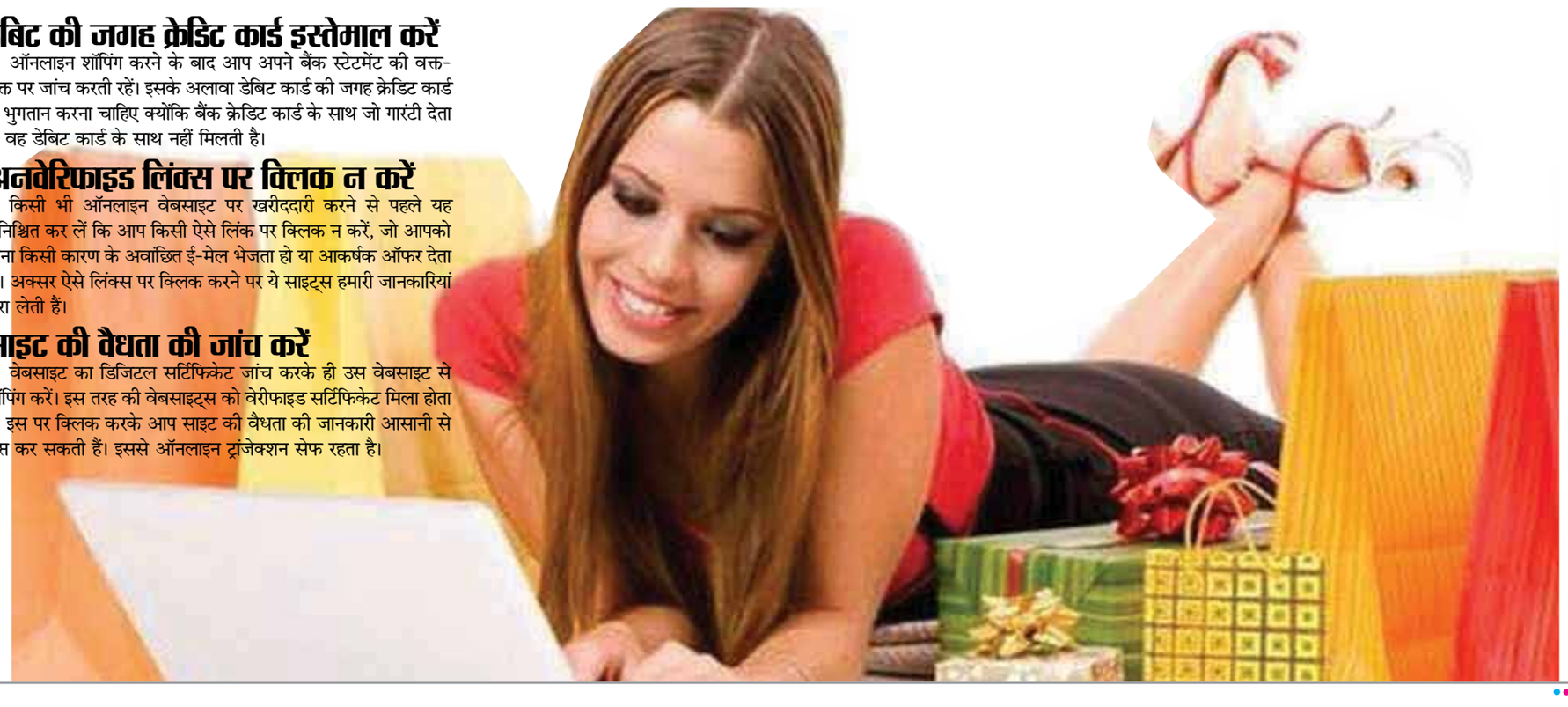

ब्यूटी टिप्स

बिना प्रॉडक्ट्स के दिखना है खूबसूरत तो खाएं ये चीजें

बढ़ती उम्र के कारण स्किन अपनी नैचुरल ब्यूटी खो देती है, जिस वजह से चेहरे पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां दिखने लगती है। वैसे तो इससे बचने के लिए लोग मार्किट में मिलने वाले महंगे प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करते है, लेकिन ऐसी कोई क्रीम या प्रॉडक्ट नहीं होता जो आपकी स्किन की खूबसूरती को सालों-साल बरकरार रखते हो। मार्किट में मिलने वाले इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में कई कैमिकल्स होते है, जो स्किन को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाते है। ऐसे में आप कुछ हैल्दी फूड्स खाकर अपनी स्किन को जवां बनाएं रख सकती है क्योंकि जब आप हैल्दी फूड खाते है तो इसका सीधा असर स्किन पर पड़ता है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताने जा रहे, जिनको आप अपनी डाइट में शामिल करके जिंदगीभर जवां बनी रह सकती है।

एंटीऑक्सीडेंट्स

अपने रोजाना की डाइट में एवोकैडो, संतरा, टमाटर, स्ट्रॉबेरीज़, चुकंदर, गाजर, आलू और नींबू जैसी चीजों को शामिल करे क्योंकि इनमें विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर होते है। इससे आप झुर्रियों की समस्या से बचे रह सकते है।

फैट्स

फैट्स से भरपूर फूड्स स्किन की अंदरुनी नमी को बनाए। साथ ही स्किन हाइड्रेटेड रहती है। इसलिए अपनी डाइट में घी और ऑयल को शामिल करें।

प्रोटीन

स्किन में टिश्यू बनाने के लिए प्रोटीन जरूरी होते है। ये आपकी स्किन को यंग दिखाने के साथ इसे अंदर से मजबूत बनाता है।

इन्हें खाने से बनाएं दूरी

अगर आपको पिंपल्स की परेशानी हो तो दूध से बनी चीज़ों से परहेज करें। इसके साथ स्मोकिंग, एल्कोहल, मीठी चीज़े, मैदा जैसी चीजों को भी अपनी डाइट से दूर रखें।

प्रैग्नेंसी के दौरान स्लीपिंग पोजीशन का ध्यान रखना भी है जरूरी

प्रैग्नेंसी के दैरान महिलाए अपने खान-पान से लेकर छोटी-छोटी बातों का खास ख्याल रखती है। ऐसे में छोटी सी गलती भी मां और शिशु के लिए खतरनाक हो सकती है। ऐसी स्थिति में गलत तरीके से सोने पर पेट पर दबाव पड़ने के कारण बच्चे के वजन और सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आइए जानते है प्रैग्नेंसी के दौरान आपको कैसी स्थिति में सोना चाहिए।

- ऐसी स्थिति में महिलाओं को बाई तरफ की पोजीशन में सोना चाहिए। इससे बच्चे को अच्छी ब्लड सप्लाई, ऑक्सीजन और पोषण मिलता है।
- शुरूआत के महीनों में महिलाओं को सीधा होकर सोना चाहिए। इससे बच्चे का विकास अच्छी तरह होता है।
- बाई पोजीशन में सोते समय आप पैरों की बीच तकिया रख लें। इससे आपको कमर दर्द की शिकायत नहीं होगी।
- प्रैग्नेंसी के दौरान चैन से सोने के लिए आप सॉफ्ट पिलो का भी इस्तेमाल कर सकती है।

- इस दौरान दाईं तरफ सोने से आपको सारी रात जगना पड़ सकता है। दांई तरफ सोने से आपकी नींद बार-बार खुलने लगती है जिसके कारण आपकी नींद पूरी नहीं होती।
- गलती से भी प्रैग्नेंसी के दौरान पेट के बल न सोएं। इससे पेट में आपका बच्चे की पोजिशन चेंज हो सकती है और डिलवरी के समय आपके परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।
- पेट के बल सोने से आपको सूजन और पेट दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसे समय में भूलकर भी पेट के बल न सोएं।

दुल्हन हो या उसकी बहन, ये यूनिक मेंहदी डिजाइन्स जरूर लगाएं

इंडियन वैडिंग में मेंहदी लगाना शगुन माना जाता है, तभी तो शादी के एक फंक्शन में मेंहदी का फंक्शन भी रखा है। शादी केवल दूल्हन ही नहीं बल्कि उसके फ्रैंड्स, रिश्तेदार भी लगाते है। इसके अलावा अगर काफी फैस्टिवल हो तो महिलाएं मेंहदी लगाकर अपना शौक पूरा करती है। आजकल हाथों ,पैरों के साथ पीठ पर और पेट पर भी इसका ट्रैंड बढ़ गया है. मेहंदी भी कई तरह की होती है जैसे अरेबियन, राजस्थानी,कलरड,टैटू और चूड़ीदार डिजाइन्स अन्य आदि। अगर बात दुल्हन की मेहंदी की हो तो उसका डिजाइन्स कुछ हटके होना चाहिए क्योंकि नए घर में हर कोई उसकी मेहंदी देखेगा और मेहंदी की रंगत को लेकर भी काफी चर्चा होती है। अगर आप भी मेहंदी के खूबसूरत और ट्रैंडी डिजाइन्स तलाश रही है तो हम आपको कुछ डिजाइन्स बताएंगे, जिनसे आप भी आईडियाज ले सकते है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइन

राजस्थानी मेहंदी डिजाइन

सुझाव

छिपकली और कीड़े-मकौड़ों को दूर करेंगे ये घरेलू नुस्खे

गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी घर में आने वाले मच्छर-मक्खियों और छिपकली की वजह से होती है। रसोई में खाने के समान पर मक्खियों का झुंड लग जाता है और दीवारों पर चिपकी छिपकलियां देखने में बहुत गंदी लगती हैं। अगर खाने की किसी भी चीज में इनके कण गिर जाए तो सेहत को काफी नुकसान होता है। इसके लिए कुछ घरेलू उपाए करके इन कीट-मकौड़ों को दूर किया जा सकता है।

छिपकली

रसोई या घर के जिस भी हिस्से में छिपकलियां आएं वहां पानी में काली मिर्च मिलाकर स्प्रे करें। इसके अलावा लहसुन की कलियां रखने से भी छिपकली नहीं आती।

चूहे

घर में चूहे होने पर काफी परेशानी होती है। कई बार तो यह कपड़े भी खराब कर देते हैं। ऐसे में जिस जगह पर ज्यादा चूहे आते हों वहां कटे हुए प्याज और फिनायल की गोलियां रखने से चूहे नहीं आते।

मच्छर

खतरनाक मच्छर की वजह से डेंगू और चिकनगुनिया जैसे बुखार फैल सकते हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए घर के अंदर नीम की सूखी पत्तियां जलाएं।

खटमल

खटमल के काटने पर स्किन पर रैशेज और खुजली की समस्या हो जाती है। इनसे बचाव रखने के लिए जिस भी जगह सोना हो वहां बैडशीट पर पुदीने की पत्तिया रगड़ें।

मक्खी

मक्खियों को दूर करने के लिए घर में कपूर जलाकर धुआं करें। इसके अलावा जिस जगह पर ज्यादा मक्खियां आती हों वहां एक सेब में कुछ लोंग दबाकर रख दें।

चीटियां

गर्मियों में कई बार बाथरूम या रसोई की दीवारों पर बहुत ज्यादा चीटियां इकट्ठी हो जाती हैं। ऐसे में चीटियों के गढ्ढों में टैलकम पाउडर, हल्दी या फिटकरी को पीस कर छिड़क सकते हैं।

कॉकरोच

रात के समय जब लाइट बंद हो जाती है तो किचन और बाथरूम में कॉकरोच आ जाते हैं। इन्हें दूर करने के लिए उस जगह पर बेकिंग सोडा और चीनी फैला दें। इसके अलावा घर के सभी कोनों में लोंग रखने से भी कॉकरोच नहीं आते।

यहां हजारों साल पहले की गई कलाकारी आज भी है कायम

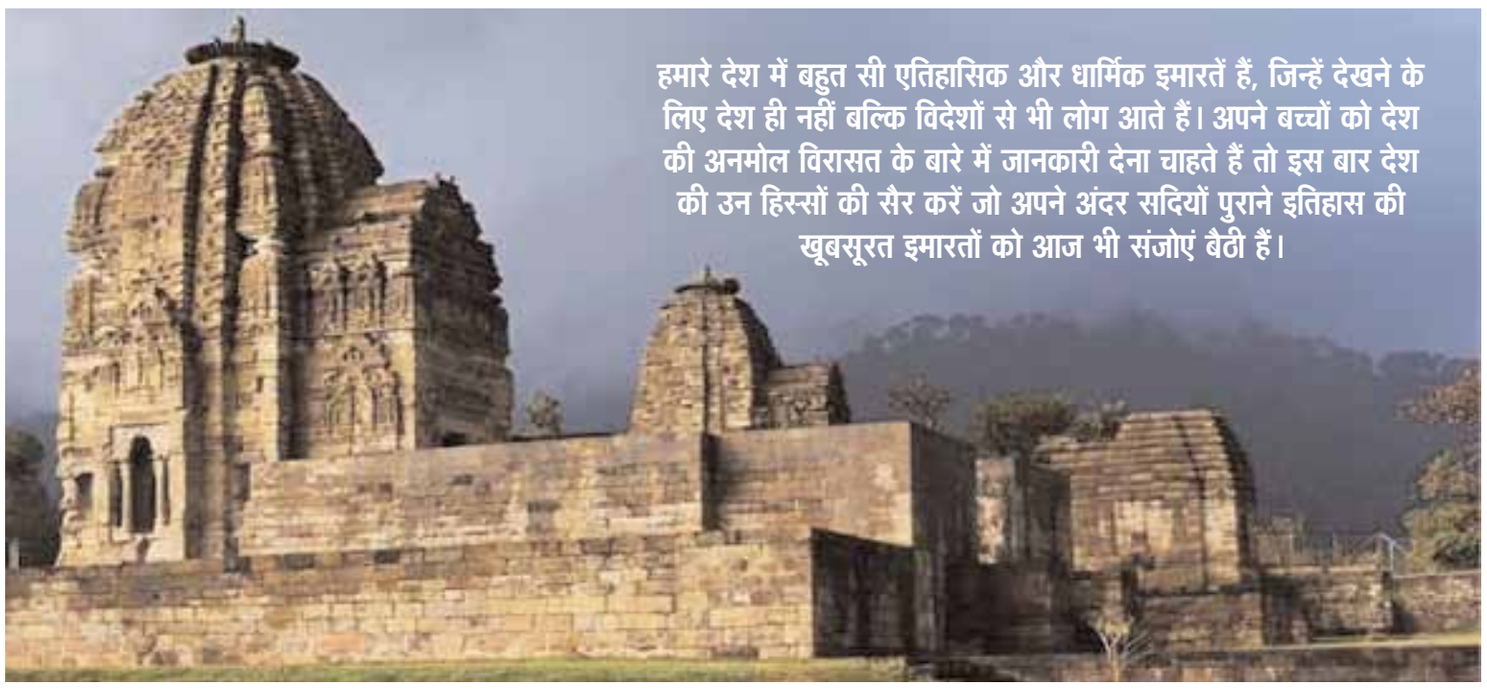

हमारे देश में बहुत सी एतिहासिक और धार्मिक इमारतें हैं, जिन्हें देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। अपने बच्चों को देश की अनमोल विरासत के बारे में जानकारी देना चाहते हैं तो इस बार देश की उन हिस्सों की सैर करें जो अपने अंदर सदियों पुराने इतिहास की खूबसूरत इमारतों को आज भी संजोएं बैठी हैं।

क्रिमची

जम्मू कश्मीर में स्थित क्रिमची ऊधमपुर का एक छोटा- सा गांव है। ऐसा माना जाता है कि यहां पर भारत का सबसे पुराना मंदिर है। जो पांडव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहीं पर खूबसूरत पचेरी हिल रिसॉर्ट भी है। जहां पर आप परिवार के साथ एंज्वाय भी कर सकते हैं।

कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश का कांगड़ा हिमाचल की खूबसूरत घाटियों में से एक है। यहां पर आप खूबसूरत वादियां,हिमालय पिरामिड,मैसूर रॉक कट टैंपल,कांगड़ा फोर्ट, तारागढ़ फोर्ट के साथ और भी बहुत सी जगहों पर घूम सकते हैं।

जागेश्वर

जागेश्वर में देखने के लिए बहुत पुराने और खूबसूरत मंदिर हैं। यहां पर 124 के करीब मंदिर हैं, इस जगह पर घूमने का अलग ही मजा है।

खजुराहो

देश की पुरानी कला और संस्कृति को देखना चाहते हैं तो मध्यपद्रेश के छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो का मंदिर फेमस है। अपने अनोखे स्थापत्य के लिए जाने जाते इन मंदिरों को देखने के लिए दुनिया भर से टूरिस्ट यहां आते हैं।

वाराणसी

काशी के नाम से जाने जाते वाराणसी में भी प्राचीन मंदिर देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। ये शहर अपने अनेकों रंगो के कारण प्रसिद्ध है।

पानीपत

पानीपत की लड़ाई बहुत प्रसिद्ध है। हरियाणा में स्थित इस जगह की खोज महाभारत काल के दौरान हुई थी। यहां पर म्यूजियम,मंदिर, इब्राहीम लोधी की कब्रगाह के अलावा और भी बहुत सी जगहें हैं।

भीमाटेक रॉक शेल्टर्स

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित यह जगह एक आर्कीयोलॉजिकल साइट है। इन गुफाओं को पाषाण काल के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इन पत्थरों पर जानवरों के उकेरे गए चित्र उस समय के लोगों की कलाकृति दर्शातें हैं। कहा जाता है कि यह कलाकार हजारों साल पुरानी है।

रेसिपी

हनी गार्लिक कॉलीफ्लोवर

सामग्री

1 बाउल गोभी (छोटे साइज में कटी हुई),2 लहसुन की कलियां (बारीक कटी), 1 नींबू का रस, 1/4 कप बारीक कटा हरा प्याज, 1/3 कप शहद, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच काली मिर्च, 1/3 कप सोया सॉस, 1 चम्मच चिली सॉस, 1 चम्मच टोमेटो सॉस, 1 कप मैदा, 2 चम्मच अरारोट, 2 कप ब्रैड क्रम,1 कप पानी, तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले एक बाउल में मैदा लें। इसमें नमक,काली मिर्च और पानी डालकर पतला बैटर तैयार कर लें। अब एक प्लेट में ब्रैड क्रम डालें। गोभी के छोटे-छोटे टुकड़ों को पहले मैदे के घोल में डालें और फिर इन्हें ब्रैड क्रम में डालें ताकि ब्रैड क्रम गोभी के चारों तरफ लग जाए। इसी तरह सारी गोभी पर मैदा और ब्रैड क्रम लगा कर तैयार कर लें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें और इसमें गोभी डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें। अब एक दूसरे पैन में सोया सॉस, शहद, लहसुन, नींबू का रस, चिली सॉस और टोमेटो कैचअप डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। एक दूसरी कटोरी में अरारोट लेकर 1 चम्मच पानी घोल तैयार करें और उसे भी पैन में डाल दें ताकि मिक्सचर गाढ़ा हो जाए। जब सॉस गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें। अब एक दूसरी कड़ाही में फ्राई की हुई गोभी डालें और उस पर तैयार सॉस डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। इसे एक प्लेट में निकालें और ऊपर से कटे हुए हरे प्याज से गार्निश करें। आपकी हनी गार्लिक कॉलीफ्लोवर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

झटपट पनीर

सामग्री

तेल -1 चम्मच, अजवाइन- 1/2 चम्मच, लहसुन - 2 चम्मच, हरी मिर्च - 1 चम्मच, कैचअप -3 चम्मच, चिली सॉस -2 चम्मच, लाल मिर्च -1/4 चम्मच, काली मिर्च - 1/4 चम्मच, चिली फ्लेक्स -1 चम्मच, चाट मसाला -1 चम्मच, नमक -1 चम्मच, पीनट बटर -2 चम्मच, पनीर - 500 ग्राम, सरसों का पेस्ट -1 चम्मच

विधि

एक बड़ी कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल गरम करें। इसमें 1/2 चम्मच अजवाइन, 2 चम्मच लहसुन, 1 चम्मच हरी मिर्च डालकर 3 से 5 मिनट के लिए भूनें, जब तक कि यह सुनहरा भूरा न हो जाए। फिर इसमें 3 चम्मच कैचअप और 2 चम्मच चिली सॉस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब 1/4 चम्मच लाल मिर्च, 1/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच चिली फ्लेक्स, 1 चम्मच चाट मसाला, 1 चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसके बाद 2 चम्मच पीनट बटर डालकर मिलाएं। फिर 500 ग्राम पनीर को इसमें अच्छे से मिक्स करें। अब 1 चम्मच सरसों का पेस्ट डालकर अच्छे से मिलाएं। आपका झटपट पनीर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसें।